दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 277/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 20 मई 2024 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने पहली बार किया मतदान, साथ ही कई मशहूर हस्तियों ने भी की वोटिंग

अक्षय कुमार, जिन्होंने पिछले साल अगस्त में ही भारतीय नागरिकता प्राप्त की हैं, ने सोमवार को मुंबई में वोट डाला। उन्होंने अपनी पहली मतदान की अनुभूति साझा करते हुए कहा कि उन्हें यह कार्य करने में बहुत अच्छा लग रहा है। उन्होंने अपने वोट के संबंध में यह कहा कि उन्हें चाहिए कि भारत विकसित और मजबूत रहे। उन्होंने अपने वोट की वजह के रूप में बताया कि उन्होंने वोटिंग सेंटर में लगभग 500-600 लोगों को खुद देखा है और इससे उन्हें अच्छा महसूस हो रहा है।

अक्षय कुमार को पिछले साल अगस्त में भारतीय नागरिकता मिली थी, जोकि उन्हें कनाडा की नागरिकता के बाद मिली थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने नागरिकता प्रमाण पत्र को साझा किया और लिखा कि उनका दिल और नागरिकता दोनों हिंदुस्तानी हैं।

इन मशहूर हस्तियों ने किया मतदान

मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने भी सुबह अपनी वोटिंग का कर्तव्य पूरा किया। उन्होंने सभी लोगों से बाहर आकर वोट करने की अपील की। मशहूर अभिनेता राजकुमार राव ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि मतदान करना हमारे देश के प्रति एक महान कर्तव्य है और सभी को मतदान करना चाहिए। रिलायंस के अनिल अंबानी भी सुबह अपने मताधिकार का प्रयोग करने निकले। सुबह करीब 6.45 बजे मतदान शुरू होने से पहले ही वे कतार में लगे हुए थे। वे कोलाबा मतदान केंद्र के बाहर मतदान शुरू होने का इंतजार कर रहे थे। अभिनेता निर्देशक फरहान अख्तर अपनी बहन और निर्देशक जोया अख्तर और मां के साथ मतदान के अधिकार का प्रयोग करने पहुंचे। अभिनेत्री सनाया मल्होत्रा ने भी मुंबई में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

सीबीएसई स्कूलों में अब हिंदी और स्थानीय भाषाओं में भी पढ़ाई

नई दिल्ली। सीबीएसई अब हिंदी और स्थानीय भाषा में पढ़ाई पर जोर दे रहा है। इसके तहत केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने हाल ही में एक सर्कुलर जारी किया, जिसमें प्राइमरी एजुकेशन में मातृभाषा या स्थानीय भाषा में पढ़ाने पर जोर दिया गया है।

इस सर्कुलर में बताया गया कि आने वाले समय सीबीएसई स्कूलों में क्या बदलाव होगा और प्राइमरी एजुकेशन से अंग्रेजी खत्म हो जाएगी। देश में नई शिक्षा नीति 2020 लागू हो चुकी है। नई शिक्षा नीति में बच्चों की प्राथमिक शिक्षा उनकी स्थानीय या मातृभाषा में पढ़ाए जाने की बात पर जोर दिया गया। इस बात पर भी ध्यान दिया जाएगा कि यदि कोई बच्चा अपनी भाषा में पढ़ेगा तो उसे बातें अच्छी और आसान तरीके से समझ आएगी। एनईपी और एनसीएफएफएस की इन्हीं पॉलिसी को लेकर सीबीएसई ने प्राथमिक शिक्षा से जुड़ा सर्कुलर जारी किया है।

52 भाषाओं में बुक प्रकाशित

सीबीएसई ने प्राथमिक शिक्षा के सिलेबस में जुड़ा एक सर्कुलर 7 मई को जारी किया। सीबीएसई के डायरेक्टर एकेडमिक डॉ प्रज्ञा एम सिंह के नाम से जारी इस सर्कुलर में एंट्री लेवल प्राइमरी में स्थानीय या मातृभाषा में पढ़ाए जाने की बात कही गई। एनसीईआरटी और इंडियन इंस्टीट्यूट आफ लैंग्वेज ने 52 स्थानीय भाषाओं में बुक प्रकाशित भी कर दी है। एनसीईआरटी की वेबसाइट पर भी ये बुक पीडीएफ फॉर्मेट में उपलब्ध है।

इंदौर में मेट्रो प्रोजेक्ट 5 साल पिछड़ा, साल के अंत तक पटरी पर दौड़ाने का लक्ष्य

इंदौर। शहर के अहम प्रोजेक्ट में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट भी एक है। लेकिन, यह प्रोजेक्ट अपनी समय सीमा से काफी पीछे चल रहा है। अब नया टारगेट दिसंबर 2024 तय किया गया है। बताया गया कि इस साल के अंत तक शहर के कुछ हिस्सों में मेट्रो ट्रेन दौड़ाई जा सकती है। यह भी संभव हो पाएगा या नहीं कुछ कहा नहीं जा सकता है।

शहर के 31 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में मेट्रो चलाए जाने की योजना है। इसमें और भी आसपास के क्षेत्र को जोड़ने की भी प्लानिंग है। प्रोजेक्ट के तहत पहला टारगेट दिसंबर तक शुरुआती 3 किलोमीटर के हिस्से में मेट्रो ट्रेन दौड़ाई जाने का है। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों के अनुसार इंदौर जिले में करीब 31 किलोमीटर ट्रैक पहले चरण में मेट्रो के लिए बिछाया जाना है।

उन्होंने यह भी कहा कि हमारी कोशिश है कि दिसंबर तक शुरुआती हिस्से में मेट्रो ट्रेन दौड़ा दी जाए। इसके लिए कॉरपोरेशन तेजी से कार्य कर रहा है। यहां सब कुछ काम पूरी प्लानिंग के अनुसार ही किया जा रहा है। कई क्षेत्रों में तो पूरा ट्रैक बिछाया भी जा चुका है। 2020-21 में मेट्रो ट्रेन चलाई जाने का लक्ष्य था। लेकिन, कोरोना महामारी के कारण इस कार्य में देरी हुई है। अब नया टारगेट तय किया गया है।

पिछली सरकार के कार्यकाल में ट्रायल रन- अधिकारियों के अनुसार इंदौर मेट्रो का ट्रायल रन पिछली शिवराज सरकार के कार्यकाल में ही हो चुका है। शुरुआत में तीन कोच के साथ इसे कुछ क्षेत्रों में ट्रायल किया गया था। वर्तमान में भी कॉर्पोरेशन की प्लानिंग यही है कि शुरुआत में शहर में सिर्फ तीन कोच के साथ मेट्रो ट्रेन दौड़ाई जाए। हालांकि छह कोच तक मेट्रो ट्रेन को चलाए जाने का प्रस्ताव भी है। कॉरपोरेशन ने शहर में मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त से सर्टिफिकेट जारी करने के लिए सितंबर 2024 की तारीख तय की है। यहां से अनुमति मिलते ही दिसंबर 2024 तक इंदौर की जनता को मेट्रो की सुविधा मिलने लगेगी।

पांच स्टेशन पर ट्रायल रन तेज- अधिकारियों के अनुसार इंदौर में पांच स्टेशनों पर सिगनलिंग अलग-अलग स्पीड में ट्रायल और लोड केयरिंग के ट्रायल तेज कर दिए गए हैं।

पीएम बोले- 10 जून को भाजपा का मुख्यमंत्री शपथ लेगा, ओडिशा के सीएम हाउस में भ्रष्टाचारियों का कब्जा

कटक। लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री मोदी सोमवार (20 मई) को ओडिशा के दौरे पर हैं। उन्होंने ढेंकनाल और कटक में जनसभाएं कीं। पीएम ने कटक में कहा- ओडिशा में 10 जून को बीजेपी का पहला सीएम शपथ लेगा ये तय है। तीसरी बार मोदी की सरकार दिल्ली में शपथ लेगी। ये भी तय है।

इससे पहले ढेंकनाल की जनसभा में उन्होंने कहा- ओडिशा की बीजद सरकार पूरी तरह भ्रष्टाचारियों के कब्जे में है। मुट्ठीभर भ्रष्टाचारी मुख्यमंत्री आवास और कार्यालय पर कब्जा करके बैठ गए हैं। बीजद के छोटे-छोटे नेता भी करोड़ों के मालिक बन गए हैं।

दोनों जनसभाओं से पहले पीएम मोदी पुरी पहुंचे थे। उन्होंने जगन्नाथ मंदिर में दर्शन करने के बाद रोड शो किया। इस दौरान पुरी से भाजपा उम्मीदवार संबित पात्रा भी उनके साथ थे। ओडिशा के ढेंकनाल, पुरी और कटक में 25 मई को लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंग होनी है।

ओडिशा में विधानसभा चुनाव भी लोकसभा चुनाव के साथ ही हो रहे हैं। सोमवार को दूसरे फेज में 35 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग हो रही है। इसके बाद 25 मई और 1 जून को 42-42 सीटों पर मतदान होगा। ओडिशा में एक ही नारा गूंज रहा है। यह नारा है ओडिशा में पहली बार डबल इंजन की सरकार। यहां बीजेडी सरकार 25 साल से है, लेकिन आज पूरा ओडिशा आत्ममंथन कर रहा है कि इतने वर्षों में लोगों को क्या मिला। ओडिशा में जल, जंगल, जमीन है, फिर भी यहां सबसे ज्यादा बदहाली है।

21वीं सदी के ओडिशा को विकास की रफ्तार चाहिए। वो बीजेडी सरकार किसी भी हालत में नहीं दे सकती। इस शताब्दी के अब तक के पूरे हिस्से में आप बीजेडी को मौका दे चुके हैं। अब समय आ गया है कि आप बीजेडी की ढीली-ढाली नीतियों, ढीला-ढाले काम और धीमी रफ्तार को छोड़कर भाजपा की तेज रफ्तार सरकार चुनें।

पहले आरएसएस की जरूरत थी, आज भाजपा सक्षम: नड्डा

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि पहले हमें (भाजपा को) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की जरूरत थी, लेकिन आज भाजपा सक्षम है। आज पार्टी अपने आप को चला रही है। नड्डा ने ये भी साफ किया कि काशी-मथुरा में मंदिर बनाने का फिलहाल कोई प्लान नहीं है। नड्डा ने ये बातें द इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में कहीं।

सवाल- पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय और अब के बीच ऋस्क की स्थिति कैसे बदली है?

नड्डा- शुरू में हम अक्षम होंगे। थोड़ा कम होंगे। तब आरएसएस की जरूरत पड़ती थी। आज हम बढ़ गए हैं और सक्षम हैं तो भाजपा अपने आप को चलाती है। यही अंतर है।

सवाल- भाजपा की मथुरा और काशी में विवादित स्थलों पर मंदिर बनाने की कोई योजना है?

नड्डा- भाजपा के पास ऐसा कोई विचार, योजना या इच्छा नहीं है। इस पर अभी तक कोई चर्चा भी नहीं हुई। हमारा सिस्टम इस तरह से काम करता है कि पार्टी की विचार प्रक्रिया पार्लियामेंट्री बोर्ड में चर्चा से तय होती है। फिर मुद्दा नेशनल काउंसिल के पास जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फैसला किया है कि पार्टी का ध्यान गरीबों, शोषितों, दलितों, महिलाओं, युवाओं, किसानों और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों पर होगा। इनको मुख्यधारा में लाया जाना चाहिए और सशक्त बनाया जाना चाहिए। हमें उन्हें मजबूत करना होगा।

सवाल- योगी आदित्यनाथ और हिमंता बिस्वा सरमा जैसे भाजपा नेता अपने चुनाव अभियान भाषण में काशी और मथुरा में मंदिरों की बात करते हैं। इस पर क्या कहेंगे?

नड्डा- भाजपा ने राम मंदिर की मांग को अपने पालमपुर संकल्प (जून 1989 के) में शामिल किया था। लंबे संघर्ष के बाद मंदिर बन गया। यह हमारे एजेंडे में था। कुछ लोग भावुक होकर दूसरे मुद्दों पर बात करने लगते हैं। हमारी पार्टी एक बड़ी पार्टी है और हर नेता की बात करने की एक शैली होती है।

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का हेलिकॉप्टर दुर्घटना में निधन

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का हेलिकॉप्टर दुर्घटना में निधन हो गया है। वे 63 साल के थे। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना ने सोमवार सुबह यह जानकारी दी। अजरबैजान से लौटते समय उनका हेलिकॉप्टर रविवार शाम करीब 7 बजे लापता हो गया था। इसमें रईसी, विदेश मंत्री होसैन अमीराब्दुल्लाहियन समेत 9 लोग सवार थे। हादसे में सभी मारे गए।

हेलिकॉप्टर अजरबैजान की सीमा के करीब ईरान के वरजेघन शहर के पास क्रैश हुआ। यह पहाड़ी इलाका है। रेस्क्यू एजेंसियों ने भारी बारिश, कोहरे और तेज सर्दी के बीच वहां रातभर सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान तीन बचावकर्मी भी लापता हो गए। सोमवार सुबह अजरबैजान की पहाड़ियों में हेलिकॉप्टर का मलबा नजर आया।

पीएम मोदी बोले- मुश्किल घड़ी में भारत ईरान के साथ

ईरान के राष्ट्रपति रईसी की मौत भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, रईसी की अचानक मौत से स्तब्ध हूं। उन्होंने भारत-ईरान के द्विपक्षीय रिश्तों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई।

कमलनाथ ने कहा- छिंदवाड़ा की जनता बेईमानों को सबक सिखाएगी

भोपाल। कमलनाथ ने कहा है, छिंदवाड़ा में बीजेपी ने प्रशासन, पैसे और बेईमानी की कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन जनता गद्दारों को अच्छा सबक सिखाएगी। वे आज पीसीसी के थर्ड फ्लोर पर चल रही कांग्रेस कैंडिडेट्स की बैठक में शामिल होने यहां पहुंचे थे। हालांकि वे बैठक को बीच में ही छोड़कर चले गए। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि उन्हें छिंदवाड़ा जाना था। मीडिया से चर्चा के दौरान कमलनाथ ने कहा- मतदान के बाद कांग्रेस का अच्छा परिणाम आने वाला है। आम जनता कांग्रेस के साथ है। छिंदवाड़ा से लेकर हर सीट तक कोई कसर नहीं छोड़ी है। दूसरी तरफ सत्तापक्ष द्वारा चुनाव में पुलिस और प्रशासन का इस्तेमाल किया गया। भाजपा ने बेईमानी करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है, फिर भी हम जीत रहे हैं।

सज्जन बोले-बम को परिणाम भोगना पड़ेंगे- सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि इंदौर में अक्षय बम को परिणाम भोगना पड़ेंगे। हमारे मालवा में कहावत है कि विष दे दो लेकिन विश्वास मत देना। उन्होंने कांग्रेस का विश्वास तोड़ा है।

8 राज्यों की 49 सीटों पर वोटिंग, 1 बजे तक 36.73 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में सोमवार को 6 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर मतदान चल रहा है। दोपहर 1 बजे तक 36.73 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी है। सबसे ज्यादा लद्दाख में 52.02 प्रतिशत और सबसे कम महाराष्ट्र में 27.78 प्रतिशत मतदान हुआ है।

इसके अलावा ओडिशा विधानसभा के सेकेंड फेज की 35 सीटों पर 35.31 प्रतिशत, झारखंड की गांडेय विधानसभा सीट पर 40.38 और लखनऊ ईस्ट सीट पर 34.03 प्रतिशत वोटिंग हुई है। उत्तर प्रदेश के महोबा में ड्यूटी के दौरान एक सीआरपीएफ जवान की मौत हो गई। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर और हुगली में भाजपा कैंडिडेट्स और टीएमसी समर्थकों के बीच झड़प हुई है। मुंबई में मतदान केंद्र के पास डमी ईवीएम रखने के आरोप में पुलिस ने शिवसेना (यूबीटी) के तीन कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है।

प्रदेश कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवारों की बैठक

मप्र में कांग्रेस बीजेपी से ज्यादा सीटें जीतेगी: भंवर जितेंद्र सिंह

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आज राज्य के लोकसभा प्रत्याशियों से आगे की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह और पूर्व सीएम कमलनाथ, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, कमलेश्वर पटेल, ओमकार मरकाम आदि मौजूद रहे। प्रत्याशियों ने मतदान के दिन उनकी सीट पर क्या स्थिति बनी, पार्टी से कितनी मदद मिली, और उन्हें कहां से क्या उम्मीद है? मतगणना की तैयारियों को लेकर भी चर्चा हुई।

लोकसभा चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों में से कांतिलाल भूरिया रतलाम, अरुण श्रीवास्तव भोपाल, नीटू सिकरवार मुरैना, फूल सिंह बरैया भिंड, प्रवीण पाठक ग्वालियर, रामू टेकाम बैतूल, ओंकार सिंह मरकाम मंडला, राधेश्याम मुवेल धार, सिद्धार्थ कुशवाहा सतना बैठक में मौजूद रहे।

प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह ने कहा- मैं भले ही ज्योतिष नहीं हूं लेकिन हमारी जितनी भी सीटें आएंगी, वो भाजपा से ज्यादा होंगी।

मध्य प्रदेश में मॉल, रेस्टोरेंट, और इंडस्ट्री 24 घंटे खोलने की तैयारी, श्रम विभाग ने सरकार को भेजा प्रस्ताव

भोपाल। मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था अब 2437 दौड़ने वाली है। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद सरकार पूरे प्रदेश में मॉल, रेस्टोरेंट, आईटी सेक्टर, प्रमुख बाजार, बिजनेस सेंटर और इंडस्ट्री को दिन-रात खोलने की मंजूरी देने वाली है। श्रम विभाग ने प्रस्ताव सरकार को भेज दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और श्रममंत्री प्रहलाद पटेल के बीच पहले दौर की चर्चा में सैद्धांतिक सहमति बन गई है।

एमपी बन सकता है देश का सांतवा राज्य- श्रम विभाग की मानें तो इस फैसले के बाद महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और तेलंगाना के बाद एमपी सातवां राज्य होगा। दिल्ली के साथ शहरों में गुड़गांव भी चौबीस घंटे चालू रहता है। कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री मप्र (एमपी सीआईआई) के चेयरमैन आशीष वैष्णव के मुताबिक श्रम विभाग के साथ इस मामले पर बात हो गई है। इसे अमल में लाया जाता है तो यह अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए होगा।

अभी ये है नियम- मप्र दुकान एवं स्थापना अधिनियम की धारा 9 में स्पष्ट है कि दुकानें या कोई भी अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठान सरकार द्वारा निर्धारित समय सीमा से न तो पहले खुलेंगे और न ही बाद में। इस नियम का रेग्यूलाइजेशन कलेक्टर को करना होगा। भोपाल समेत मप्र में अभी रात 10 बजे से लेकर 11 बजे तक ही दुकानें खुला रखने की व्यवस्था है।

पूरे एमपी में लागू करने पर बन सकती है सहमति

मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि मप्र के 2047 के एजेंडे में भी इसे शामिल किया गया है। चर्चा के दौरान यह मसला आया था कि इसे भोपाल-इंदौर जैसे बड़े शहरों में पायलट के तरह लागू किया जाए, लेकिन अब इसे पूरे मप्र में एक साथ लागू करने की तैयारी है।

क्या कहते हैं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल

प्रस्ताव अच्छा है, बात हो चुकी है। प्रोडक्टिविटी और अर्थव्यवस्था की ग्रोथ के लिए यह अच्छा फैसला होगा। इस प्रस्ताव पर बात हो गई है। चौबीस घंटे अर्थव्यवस्था खोलने के साथ हम यह भी ध्यान रखेंगे कि श्रमिकों को उनकी मेहनत का पूरा मूल्य मिले। हफ्ते में कोई भी 48 घंटे से ज्यादा काम न करे।

3 शिफ्ट में काम, तो रोजगार-मुनाफा सब बढ़ेगा

1. 2024 में मप्र के जीएसटी कलेक्शन में 30 प्रतिशत की ग्रोथ है। अर्थव्यवस्था चौबीस घंटे खुलती है तो यह ग्रोथ और बढ़ेगी।
2. मप्र में कानून व्यवस्था की स्थिति चौबीस घंटे बाजार खोलने के अनुकूल है।
3. देर रात कोई मॉल या रेस्टोरेंट में जाता है तो 18त्न तक तो जीएसटी देगा। कारोबारी का मुनाफा बढ़ेगा।
4. फैक्ट्री, इंडस्ट्री या आईटी सेक्टर तीन शिफ्ट में काम करेगा तो रोजगार बढ़ेगा, बाजार उठेगा और लोगों की खर्च करने की ताकत बढ़ेगी। कंपनियों को अतिरिक्त कर्मचारी भी नियुक्त करने पड़ेंगे।
5. देर रात की खरीदारी और व्यापसायिक गतिविधियां उन पर्यटकों को आकर्षित कर सकती हैं जो दिन और रात दोनों में खरीदारी या भोजन करना पसंद करते हैं।
6. कांपिटिशन बढ़ेगा। आर्थिक विकास के साथ शहर की बाकी सुविधाएं भी ठीक होंगी।
7. खुदरा और उपभोक्ता सामान के साथ मनोरंजन में भी नया निवेश आ सकता है।
8. अधोसंरचना से जुड़े काम भी तीन पालियों में पूरी रफ्तार से हो सकेंगे।
9. वाणिज्यिक क्षेत्रों में पैदल यातायात और गतिविधियों में स्वाभाविक वृद्धि होगी।
10. चोरी और हमले जैसे अपराध कम होंगे।

गुफा मंदिर में श्रीराम महायज्ञ एवं महारासलीला महामहोत्सव का आयोजन 12 जून से

भोपाल। रामानन्द आश्रम गुफा मंदिर के संस्थापक श्री मंहत स्वामी नारायण दास त्यागी की पुण्य स्मृति में 12 से 16 जून तक पंच दिवसीय श्रीराम महायज्ञ एंव वृंदावन की रासलीला का आयोजन किया गया। इसमें महामंडलेश्वर डाकौर मंगल पीठाधीश्वर माध्वाचार्य महाराज का मंगल आगमन होगा इस उपलक्ष्य में गुफा मंदिर धाम में मंहत रामप्रवेश दास महाराज के सानिध्य में बैठक आयोजित हुई बैठक में निम्म बिंदिओं पर विचार विमर्श हुआ कि महायज्ञ बैठने वाले मुख्य यजमान और यज्ञशाला निर्माण, शोभायात्रा तथा यज्ञ में आने वाले महामंडलेश्वर मंहतो संतो की व्यवस्था आदी सम्बन्ध चर्चा हुई।ि बैठक में महापौर मालती राय, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी,पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, आलोक शर्मा जी,अरुण श्रीवास्तव, पं विष्णु राजौरिया, पं रमेश प्रसाद त्रिपाठी,कैलाश मिश्रा, श्याम मनोहर अग्रवाल, राधेश्याम पाटीदार, गोपाल गोदानी, श्यामवीर शर्मा, मनोज शर्मा, कृष्ण कुमार दुबे आदि नगर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जनरल मैनेजर, डीआरएम ने स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों का किया निरीक्षण

सुविधाओं एवं समस्याओं के निराकरण हेतु सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने सौंपा ज्ञापन

संत हिरदाराम नगर

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यो का रविवार को पश्चिम-मध्य जबलपुर जनरल मैनेजर शोभना बंदोपाध्याय ने भोपाल डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी के साथ निरीक्षण किया। इस अवसर पर रेलवे स्टेशन पर व्याप्त समस्याओं को दूर करने एवं यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए यहां की सामाजिक संस्था सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने ज्ञापन सौंपा एवं अधिकारियों को निर्देशित करने का आग्रह किया। पंचायत अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश ईसरानी एवं महासचिव सुरेश जसवानी ने जनरल मैनेजर से पटरी पार एयरपोर्ट रोड, सीटीओ, दाता कालोनी, कैलाश नगर, मथाई नगर सहित आस पास की अनेक कालोनियों में निवास करने वाले दो लाख से अधिक नागरिकों के लिए स्टेशन की सेकण्ड एंट्री कैम्प नम्बर 12 से विकसित करने का आग्रह किया। जिस पर जनरल मैनेजर ने तत्काल कदम उठाने का भरोसा दिलाया। वहीं सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने जनरल मैनेजर एवं डीआरएम को सौंपे ज्ञापन में प्लेटफार्म नम्बर 2 पर सीहोर से आने वाली ट्रेनों से उतरने वाले यात्रियों के लिए एक्सीलेटर एवं लिफ्ट तथा स्लोप नहीं होने से वृद्धजन, हार्ट पेशेंट एवं विकलांगों को होने वाली परेशानी पर ध्यान केन्द्रित कर इसकी सुविधा तत्काल मुहैया कराने का आग्रह किया।

स्टेशन पर यात्रियों को हो रही परेशानियों से कराया अवगत

सिंधी सेंन्ट्रल पंचायत ने जनरल मैनेजर से स्टेशन पर व्याप्त गन्दगी एवं बदबू के कारण होने वाली परेशानी को दूर करने प्लेटफार्म 3 व चार के लिए मौजूदा फुट ओवर ब्रिज का विस्तार करने, धोबीघाट की तरफ से एक अन्य फुट ओवर ब्रिज बनाने, अपना सम्पूर्ण 100 साल का जीवन मानव कल्याण को समर्पित कर देने वाले स्वामी हिरदाराम जी जिसक नाम पर रेलवे स्टेशन है, उनकी स्मृतियों को चिरस्थाई बनाने के लिए निर्माणाधीन स्टेशन पर सेवा संबंधी चित्रों का समावेश करने का भी आग्रह किया। इसके अलावा स्टेशन के प्रवेश द्वार पर बोर्ड लगाने ताकि आने वाले यात्रियों को रास्ते का पता चले वह भी लगाने के साथ ही महिला वेटिंग हाल का विस्तार करने का भी आग्रह किया। इस अवसर पर जनरल मैनेजर एवं डीआरएम ने पंचायत पदाधिकारियों की बातों को न केवल ध्यानपूर्वक सुना बल्कि ज्ञापन लेते हुए भरोस दिलाया कि जो भी प्रस्ताव व सुझा दिए गए हैं, उनके प्रस्ताव बनाकर रेलवे बोर्ड को भेजेंगे एवं उन्हें स्वीकृत करवाएंगे।

इंटास फाउंडेशन ने आंखों की जांच के लिए आयोजित किया शिवर

भोपाल। इंटास फाउंडेशन द्वारा संचालित अपना घर ट्रांजिट होम भोपाल में आई चेकउप कैंप का आयोजन किया गया, आई चेकउप कैंप का आयोजन आरम्भ और साइटसेवर संस्था द्वारा किया गया। साइटसेवर संस्था की तरफ से श्री दिनेश कुशवाह और उनकी टीम द्वारा ट्रांजिट होम के सभी कैंसर मरीज और उनके केयरटेकर की आँखों की जाँच की गई. आई चेकउप कैंप में 35 लोगो की आँखों की जाँच की गई जिसमे 13 लोगो में द्रष्टि दोष पाया गया जिनको चश्मे की जरुरत है, जो की आरम्भ संस्था द्वारा उन सभी की फ्री नजर का चस्मा प्रदाय किया गया।

बच्चों ने समर कैम्प में सुदर्शन चक्र मिलेट्री कैम्प में लिया घुड़सवारी का आनन्द

संत हिरदाराम नगर। हर साल की तरह इस साल भी दीपमाला पागारानी संस्कार विद्यालय में विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास हेतु ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें नाना प्रकार की गतिविधियों का संचालन किया जा रहा हैं। इसी कड़ी में विद्यार्थियों को द्रोणाचल, मिलेट्री क्षेत्र ले जाया गया जहां द्रोणाचल आर्मी की तरफ से कर्नल नितीया पासी, कमांडिग अफसर के निर्देश में एवं सुन्दरलाल अहिरवार के मार्गदर्शन, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रेम पीयुष, मेजर पंकज चैहान, आफीसर इंचार्ज राइडिंग क्लब, सब मेजर दिनेश कुमार यादव, नायाब सुबेदार पी.के. झा, जेसीओ इंचार्ज राइडिंग क्लब, हवलदार अहिरवार वरिष्ठ प्रशिक्षक राइडिंग क्लब और उनकी पूरी टीम के सहयोग से विद्यार्थियों के साथ संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव ने भी गतिविधियों को समझा। इस अवसर पर घुड़सवारी करवाई गई एवं घुड़सवारी से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गई। मिलैट्री अकादमी में घुड़सवारी कर उसका आनन्द लिया जो बच्चों के लिये तथा मैनेजमेंट के लिए अभूतपूर्व क्षण था साथ ही सेना मुख्यालय में देश के लिए शहीद होने वालों को श्रद्धाजंलि दी गई। बसंत चेलानी ने आर्मी अफसरों का अभिवादन करते हुए कहा कि विद्यालय हमेशा बच्चों के मानसिक विकास के साथ-साथ शारीरिक विकास की ओर भी ध्यान देना चाहिए।

दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का अनुभव समारोह आयोजित

संत हिरदाराम नगर। आरोग्य केन्द्र द्वारा 10 मई से 19 मई तक दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का आयोजन किया गया। जिसका भव्य अनुभव समारोह सिद्ध भाऊ की उपस्थिति में आयोजित किया गया। शिविर की गतिविधियों पर डॉ. गुलाब राय टेवानी ने प्रकाश डालते हुए बताया कि यह हमारा 119वां शिविर है। इस शिविर में अलग-अलग स्थानों से साधकगण पहुंचे। सिद्ध भाऊ ने अपने उद्धबोधन में शिविर में आए शिविरार्थियों से कहा कि आपके स्वस्थ और सुखद जीवन की मंगल कामना करता हूँ। उन्होनें समझाया कि व्यक्ति बीमार इसलिए होता हैं क्योंकि गलत व अधिक आहार का सेवन करता हैं यदि आपको स्वस्थ रहना है तो सात्विक, अपक्व और कम आहार का सेवन करना चाहिए। आहार ऐसा हो जो स्वादिष्ट हो, पौष्टिक हो और सुपाच्य हो। नींद का हमारे जीवन व शरीर में एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, हमारे अंदर एक बायोलॉजिक क्लॉक होती है जिसके अनुसार नींद का समय रात्रि 9 बजे से सुबह 5 बजे तक का होता हैं, यदि हम इसके अनुसार चलते हैं तो हमारा शरीर स्वस्थ व तंदुरूस्त रहता हैं।

विवेकानन्द सोसायटी की मीटिंग में चोरी की घटनाओं पर चिंता प्रकट की

संत हिरदाराम नगर। खजूरी, बैरागढ़ के थाना क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर लोगों में दहशत का माहौल है। लेकिन बैरागढ़ पुलिस चेकिंग में व्यस्त है। संत हिरदाराम नगर के लक्ष्मणनगर में विवेकानंद सोसायटी के पदाधिकारियों की मीटिंग जयरामदास रूघानी के निवास पर वार्ड क्र. 4 के पार्षद एवं एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, वार्ड क्र. 5 के पार्षद अशोक मारन, सोसायटी के अध्यक्ष बसंत चेलानी, सचिव के. एल. नागदेव की उपस्थिति में रखी गई। मीटिंग में संत नगर टी वार्ड में चोरी की हुई घटनाओं पर चिंता प्रकट की गई। इस अवसर पर रहवासी श्याम रूघानी, प्रकाश बेलानी, माधव टेकवानी, प्रकाश जयराम रूघानी, डेटाराम चेलानी, हीरा गोलानी, पुरूषोत्तम टिलवानी, अशोक सावनानी, जी.डी. लालवानी, क्रांन्ति पंजवानी भी उपस्थित थे। इधर, खजूरी के बैरागढ़ में कला में रविवार को चार पहिया वाहन चोरी की घटना सामने आई है 10 दिन पहले भी यहां से चार पहिया वाहन चोरी हुआ था। बैरागढ़ के सिविल अस्पताल से भी दो पहिया वाहन चोरी होने का मामला सामने आया है। लगातार हो रही चोरी और पुलिस के सुस्त रवैये से लोगों में नाराजगी है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अशोक मारण ने कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो कांग्रेस इसके खिलाफ धरना देगी।

क्राइस्ट मेमोरियल स्कूल में सीबीएसई बोर्ड के उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सी.बी.एस.ई के दसवी और बारहवी के परीक्षा परिणाम के पश्चात क्राईस्ट मेमोरियल स्कूल के बोर्ड परीक्षा में प्राविण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्रओं का सम्मान किया गया। कक्षा बारहवी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा कुमारी साक्षी खियानी ने 97 प्रतिषत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोषन करने पर विद्यालय के संचालक डॉ. मेनिस मैथ्यूज़ जी द्वारा 10,000 रूपये का नगद ईनाम दिया।

विद्यालय के करीब 25 छात्र-छात्राओं जिन्होंने 85 प्रतिषत के ऊपर हासिल किया उन्हें और उनके माता-पिता को स्कूल द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के संचालक डॉ. मेनिस मैथ्यूज़ जी ने कहा की यह परीक्षा परिणाम छात्रों के माता-पिता एवं षिक्षकों का अभूतपूर्व योगदान को दर्षाता है। प्राचार्य श्री परमेन्द्र दरयानी जी ने इस कार्यक्रम में छात्रों के इस बेहतरीन प्रदर्षन के लिए उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं, उनके माता-पिता एवं षिक्षकों को बधाई दी। उपप्राचार्या सुश्री रीना मण्डलोइ द्वारा कक्षा दसवी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा कुमारी हंसीका सुलानिया को सम्मानित करते हुए अपने आप को गौरांवित महसूस किया। इस सम्मान समारोह में छात्र राजवीर वर्मा की माता ने मंच से उनके बेटे की सफ्लता का श्रेय यहाँ के षिक्षकों को दिया और स्कूल प्रबंधन की भूरी-भूरी प्रषंसा की। कुमारी हंसीका सुलानीया के पिता जो की रेल्वे पुलिस में पदस्थ हैं उन्होंने स्कूल के अनुषासन की प्रषंसा करते हुए अपने बच्चे की नीव को मज़बूत करने के लिए स्कूल की प्रषंसा की। अंत में विद्यालय द्वारा सभी छात्र-छात्रओं एवं परिजनों का मुह मिठा किया गया।

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में भाजपा लोकसभा प्रत्याशियों के लिए की जनसभाएं

कांग्रेस ने केवल एक परिवार को पहले नंबर पर रखा: डॉ. मोहन यादव

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सुश्री बांसुरी स्वराज के समर्थन में रामलीला मैदान, दक्षिण दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी के समर्थन में कालकाजी विधानसभा में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक तरफ कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी मुंगेरीलाल के सपने देख रहे हैं। वे प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं तो दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी झूठ के रिकार्ड बनाने में लगी हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने हमेशा से राष्ट्र को पहले नंबर पर रखा, लेकिन कांग्रेस ने केवल एक परिवार को पहले नंबर पर रखा। प्रधानमंत्री ने विरोधियों को आईना दिखाया तो अब ये मोदीजी को गालियां दे रहे हैं। कांग्रेस ने आपातकाल का विरोध करने पर भाजपा नेताओं को जेल में डाल दिया था और अब कह रहे हैं कि देश का संविधान खतरे में है। अरविंद केजरीवाल कुर्सी की खातिर दिल्ली की जनता का भी अपमान कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने हमेशा से देश को पहले नंबर पर रखा। उन्होंने देश की खातिर अपना पूरा जीवन लगा दिया। खुद के पास अपना कुछ नहीं है, लेकिन उन्होंने देशवासियों के लिए सब कुछ किया। हर वर्ग, हर क्षेत्र का विकास किया। एक तरफ प्रधानमंत्री जी ने देश को नंबर एक पर रखा तो वहीं कांग्रेस ने हमेशा से सिर्फ एक परिवार को ही नंबर एक पर रखा। इनकी पांच-पांच पीढ़ियां प्रधानमंत्री बनती रहीं, लेकिन इन्होंने कभी भी देश की चिंता नहीं की। सिर्फ अपने परिवार की चिंता ही इन्हें रहती है। इस बार भी परिवार की चिंता की खातिर जनता को बरगलाकर वोट लेना चाहते हैं। सोनिया गांधी रायबरेली में कह रही हैं कि उन्होंने राहुल गांधी को वहां की जनता को सुपुर्द कर दिया है, लेकिन सेवा और सुपुर्द करने में बड़ा अंतर होता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश की सेवा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि दिल्ली वैसे तो दिलवालों की है, लेकिन यह झूठेलों के हाथों में है। आम आदमी पार्टी और उनके नेता अरविंद केजरीवाल तो झूठ के विश्व रिकार्ड बना रहे हैं। जब दिल्ली वालों ने उन्हें सत्ता सौंपी थी तो उनको झूठ बोला था। ऑटो में बैठकर आफिस गए, बंगला नहीं लिया, लेकिन यह सब झूठ अब सामने आ चुका है। किस तरह से आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली वालों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। किस तरह से उन्होंने कुर्सी की खातिर अन्ना हजारे के आंदोलन में शामिल होकर दिल्लीवासियों के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने अन्ना हजारे को भी ठगा है। यह दिल्ली है, जो अब कभी भी अरविंद केजरीवाल को माफ नहीं करेगी। अरविंद केजरीवाल ने झूठ के दम पर जो बुनियाद खड़ी की है, वह जल्द ही ढहने वाली है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने विरोधियों को आईना दिखाने का काम किया है। उन्होंने करके दिखाया है कि किस तरह से देश का विकास होता है, कैसे देश का मान-सम्मान बढ़ा है। अब ये सारे घमंडिया गठबंधन के लोग उन्हें जी भरकर अपशब्द कह रहे हैं। देश की आजादी के बाद राजा, महाराजाओं ने भी अपनी-अपनी सत्ता छोड़ दी। वे भी चाहते थे कि जनता का शासन, जनता द्वारा ही चले, लेकिन एक परिवार ने उस समय भी कुर्सी का मोह नहीं छोड़ा। कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर भाजपा एवं जनसंघ के नेताओं को जेल में डाला। स्व. अटलबिहारी वाजपेयी, श्री लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी सहित सैकड़ों नेताओं को जेल में डाल दिया। अब ये कह रहे हैं कि देश का संविधान खतरे में है।

कुपोषित आदिवासी बच्ची को मिला जीवन

जाको राखे साइयां ,मार सके न कोई....

भोपाल। अतिकुपोषित साढ़े 4 किलो की बच्ची 2मई को जिला अस्पताल दमोह ,में किसी दयालु पड़ोसी की मदद से लाई गई। मरणासन्न हालत में आई बच्ची को बिना देर किए, डॉक्टर्स ने देखा। मरीज की गम्भीरता देखते हुए डॉक्टर्स ने उसे तत्काल पी आई सी यू में भर्ती कराया,जो कि बच्चों का आई सी यु होता है।3-4 दिन भर्ती रखकर मरीज की समस्त जांचे की गईं,जांचों में पाया गया कि बच्ची अतिकुपोषित है,रक्त में प्रोटीन एवम खून की गम्भीर कमी से पीड़ित है।बच्ची के जीवन के बचने की आस छोड़ चुके परिजनों ने,स्टाफ ने इलाज पूरी ततपरता से जारी रखा।कहते है कर्म करो,फल की इच्छा मत करो,फलस्वरूप बच्ची पुन: जीवन की ओर लौटी।पी आई सी यु के बाद बच्ची को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया गया,विशेष फार्मूला डाइट और दवाओं के उपचार से बच्ची के स्वास्थ्य में निरंतर सुधार हुआ। पोषण पुनर्वास केंद्र के प्रभारी डॉ सुनील जैन ने बच्ची के बारे में जानकारी देते हुए बताया,कि आशा से आसमान टिका होता है।इस केस में निराश परिजनों पर चिकित्सकीय स्टाफ का बच्ची के स्वस्थ होने को लेकर आशान्वित बने रहना,एवम अपना काम ईमानदारी से करना रंग लाया है। पी आई सी यू के इंचार्ज एवम सिविल सर्जन डॉ राजेश नामदेव ने बताया कि जिस हाल में बच्ची आई थी,और अब जिस स्थिति में बच्ची का स्वास्थ्य है,वह बड़ा संतोषजनक है।पोषण पुनर्वास केंद्र एवम पी आई सी यु दोनो जगह का स्टाफ बधाई का पात्र है।

सिंधी साहित्य सभा के कार्यक्रम में 7 लेखकों और कला धर्मियों को मिले राष्ट्रीय पुरस्कार

इंदौर। अखिल भारत सिंधी बोली साहित्य सभा,नई दिल्ली का वार्षिक समारोह इंदौर की सिंधू मुहिंजी जीजल संस्था के सहयोग से अभिनव कला समाज गांधी जो परिसर स्थित स्टेट प्रेस क्लब में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद श्री शंकर लालवानी और क्रिकेटर श्री नरेंद्र हिरवानी सहित अन्य अतिथियों ने सिंधी भाषा कला धर्मियों और लेखकों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं। सांसद श्री शंकर लालवानी और क्रिकेटर नरेंद्र हिरवानी ने सिंधी साहित्य सभा के इन प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इंदौर सिंधी साहित्य के राष्ट्रीय नक्शे पर जगह बनाएगा।साहित्य,रंगमंच, चित्रकला के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाली दस सिंधीभाषी विभूतियों को सम्मानित किया गया। साहित्य सभा ने नई श्रेणी सोशल मीडिया में भी अवार्ड देने का निर्णय लिया। इसके साथ ही मध्य प्रदेश को इस वर्ष कुल 4 अवार्ड प्राप्त हुए ।गत वर्ष भी मध्य प्रदेश ने तीन अवार्ड प्राप्त

किए थे। सिंधी साहित्य, पत्रकारिता ,मूर्ति कला, चित्रकला, संगीत ,गायन और नाटक के क्षेत्र में अनूठे कामों के लिए सभा सिंधी भाषी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर वार्षिक पुरस्कार प्रदान करती है। इंदौर में इस वर्ष पुरस्कार समारोह के साथ सिंधी लोक कथा गायन शैली 卐भगत卐 के सिंगर डांसर आर्टिस्ट लवि कमल भगत ,अजमेर की प्रस्तुति के साथ ही सिंधी हास्य नाटक मोबाइल की मार का मंचन इंदौर के नमोश तलरेजा और विनीता मोटलानी की ड्रामा टीम ने किया। दिल्ली से आई काव्य और प्रेरणा नावानी ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन अशोक मनवाणी ने किया। श्री किशोर कोडवानी ने स्वागत भाषण दिया सामूहिक प्रार्थना पल्लव के साथ हुआ। साहित्य सभा के पुरस्कार समारोह में भोपाल की सिंधु दर्पण नाट्य संस्था ने श्री नरेंद्र हिरवानी को सम्मान पत्र भेंट किया। श्री चंदर लालचंदानी ने यह सम्मान पत्र सौंपा।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ पुष्पा रानी गर्ग की 4 कृतियाँ लोकार्पित

इंदौर। नगर की वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. पुष्पा रानी गर्ग की चार कृतियों तुलसी मानस के अनमोल रत्न (आलेख संग्रह),संस्कृति की वैदेही और अशोक (ललित निबंध संग्रह),एक बूंद प्रेम की(काव्य संग्रह)और अपने होने का अर्थ (कविता संग्रह)का लोकार्पण श्री मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति में मुख्य अतिथि डॉ. विकास दवे(निदेशक म.प्र. साहित्य अकादमी भोपाल) के आतिथ्य में? और अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार व राष्ट्रीय कवि श्री सत्यनारायण सत्तनजी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय कवि श्री सत्यनारायण सत्तनजी ने अपने उद्बोधन में

डॉ पुष्पा रानी को आधुनिक मीरा की उपाधि देते हुए कहा कि उनकी काव्य में अध्यात्म है ,भक्ति है और रस है। क्योंकि वह ब्रजभूमि से है इसलिए उनके लेखन में संस्कृति भी है। डॉ गर्ग ने मानस के अनमोल रत्न? लिखकर लोगों से राम बुलवाने का कार्य किया है। उन्होंने रामचरितमानस की चौपाइयों को संप्रेषित कर समाज को और साहित्य को शब्द रूपी पुष्प छन्द दिए हैं ,उनके ये शब्द रूपी पुष्प पूज्यनीय है ।

डॉ. पुष्पा रानी गर्ग ने कहा तुलसी मानस के अनमोल रत्नमें मेरे 39 आलेख है , ये सभी श्रेष्ठ पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।संस्कृति की वैदेही और अशोक में मेरे 29 ललित निबंध है एक बूंद प्रेम की में कोरोना काल के पहले की कविताएं हैं और अपने होने का अर्थ में , कोरोना काल की कविता है। ये मेरे शब्द दीपक है जो हमेशा जग को आलोकित करते रहेंगे । विशेष रूप से इस कार्यक्रम हेतु अमेरिका से आई पुष्पाजी की सुपुत्री कीर्ति महेश्वरी ने उनका पहला काव्य संग्रह अपने होने का अर्थ की कविता मेरे सामने शब्द खड़ा था पूछ रहा था अपने होने का अर्थ,जीने की राह, एक खिलौना बचपन का का वाचन किया।दूसरे काव्य संग्रह एक बूंद प्रेम की में से जलने दो आग को मैं हँसी बेचती हूँ। का सुन्दर वाचन किया। डॉ. योगेंद्र नाथ शुक्ल ने पुस्तकों की चर्चा करते हुए कहा पुष्पाजी ने शुष्क वृक्ष की शुष्कता में भी भी तरलता देखी है।उनकी रचनाओं में विचार हैं, भाव और कला का अद्भुत समन्वय है। उनकी रचनाओं में भारतीय संस्कृति और हर जगह मानवता मौजूद है। तुलसी के रामचरितमानस में उनकी गहरी आस्था है इसीलिए रामचरितमानस की चौपाइयां का विशद वर्णन कर समाज को सकारात्मक ऊर्जा दी है।

मधुमक्खियों से मिलने वाला शहद रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है : योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि 20 मई को दुनिया भर में विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया जाता है। विश्व मधुमक्खी दिवस मनाने का उद्देश्य उनके पारिस्थितिकी तंत्र में मधुमक्खियों और अन्य परागणकों के सतत विकास में उनके योगदान और उनके संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। एक रिसर्च के अनुसार यह भी माना जाता रहा है कि मधुमक्खी चार तक गिनती जानती है। भारत में मधुमक्खियों की चार जातियां पाई जाती हैं, एपिस सेरना इंडिका, एपिस फ्लोरिया एपिस डॉर्सट्टा, एपिस ट्रैगोना। इसमें से सिर्फ एपिस सेरना ही एक ऐसी मधुमक्खी हैं, जिसे पाला जा सकता है तथा बाकी जाति की मधुमक्खियां पेड़ों के खोखलों, गुफा में सामान्यत: रहती हैं। योग गुरु अग्रवाल ने बताया की लोगों के जीवन में मिठास बढ़ाने वाली शहद के बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन किस तरह स्वास्थ्य वर्धक है, मधुमक्खियों से मिलने वाला शहद इम?यूनिटी बूस?टर के तौर पर काम करता है, इसमें मौजूद एंटीऑक?सीडेंट हृदय तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए लाभदायक है। इसे एक आयुर्वेदिक औषधि के रूप में जाना जाता है। इसमें ग?लूकोज, सुक्रोज और माल?टोज, विटामिन -6 बी, विटामिन सी, एमिनो एसिड, कार्बोहाइड्रेट मुख?य रूप से पाया जाता है। यह सर्दी-जुकाम में आराम तथा गले की खराश दूर करने के भी काम आता है। सबसे घातक घरेलू मक्खी होती है। इसके शरीर पर 10 लाख से भी ज्यादा कीटाणु मौजूद रहते हैं। यह भोजन को संक्रमित कर सकती है जिसकी वजह से उल्टियां या दस्त भी लग सकते हैं। अत= भोजन को हमेशा ढंक कर रखना चाहिए।

आयुष्मान भारत निरामयम योजना में जयप्रकाश चिकित्सालय में हुई पहली घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी

भोपाल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रभाकर तिवारी की अधिक से अधिक हितग्राहियों को आयुष्मान भारत निरामयम योजना का लाभ दिलाए जानें के प्रयासों के के तहत जयप्रकाश चिकित्सालय में घुटना प्रत्यारोपण की सफल सर्जरी की गई है। यह सर्जरी अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ मनोज मोदी एवं उनकी टीम द्वारा की गई है। यह सर्जरी काफी जटिल मानी जाती है । इस प्रकार की सर्जरी के लिए मरीज प्राय: निजी अस्पतालों अथवा मेडिकल कॉलेजेज को प्राथमिकता देते हैं लेकिन अब ज़िला अस्पतालों में भी ये प्रोसीजर्स किए जा रहे हैं।

छतरपुर निवासी भगवानदास अहिरवार को घुटने में निरंतर तेज दर्द होने की शिकायत थी। मरीज द्वारा कई जगह उपचार लेने के बाद भी स्थाई लाभ नहीं हो पाया था। परिचित की सलाह पर

उन्होंने भोपाल आकर परामर्श लिया। मरीज की विस्तृत जांच करने पर ओस्टियो आर्थराइटिस बीमारी पाई गई जो एक डिजेनेरेटिव डिजीस है एवं इसमें Total Knee Replacement की आवश्यकता पड़ती है।चिकित्सकों द्वारा जटिल सर्जरी कर घुटने प्रत्यारोपित किए गए हैं। मरीज पूरी तरह से स्वस्थ है और अब सामान्य रूप से बिना दर्द के चलने फिरने में सक्षम है।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि अब सरकारी अस्पतालों में जटिल मानी जाने वाली नी रिप्लेसमेंट एवं हिप रिप्लेसमेंट जैसी सर्जरी की जा रही है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा महंगे इलाज की निशुल्क व्यवस्था सरकारी अस्पतालों में की गई है। शासन द्वारा गरीब एवं वंचित वर्ग के लोगों के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है जिसमें आयुष्मान भारत निरामयम योजना प्रमुख है। इस टोटल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी में आयुष्मान भारत निरामयम योजना के तहत पूरी तरह से कैशलेस उपचार दिया गया है ।

अल्पविराम-स्वयं से मुलाकात कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों ने आंतरिक शांति के गुर सीखे

भोपाल। राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग द्वारा मंत्रालय वल्लभ भवन, सतपुड़ा एवं विंध्याचल में पदस्थ पुलिसकर्मियों हेतु दो दिवसीय अल्पविराम - स्वयं से मुलाका कार्यक्रम आयोजित किया गया। अल्पविराम शांत समय मे अंतरात्मा की आवाज को सुनने का एक अभ्यास है जो सकारात्मक सोच विकसित करने की प्रक्रिया को मजबूत बनाता है। अल्पविराम कार्यक्रम के माध्यम से जीवन में आंतरिक आनंद के महत्व पर चर्चा की गई। सेशन में विभिन्न टूल्स के माध्यम से जीवन का लेखा-जोखा, हमारे रिश्ते, चिंता का दायरा, प्रभाव का दायरा एवं विभिन्न रोचक गतिविधियों के माध्यम से जीवन में मानवीय मूल्यों के महत्व पर गहराई से उपस्थित सभी अधिकारियों कर्मचारियों के साथ चर्चा एवं अनुभव साझा किए गए। कार्यक्रम में मुख्य सुरक्षा अधिकारी/ सहायक पुलिस आयुक्त अविनाश शर्मा, राज्य आनंद विभाग के निदेशक प्रवीण गंगराड़े, कार्यक्रम समन्वयक मनु दीक्षित, मास्टर ट्रेनर राजेंद्र असाटी,प्रदीप महतो, सीमा अग्निहोत्री एवं मुकेश करुरा सहित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एम्स के डॉ राहुल दुबेपुरिया ने मिलान, इटली में अपना शोध प्रस्तुत किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह संकाय और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। उनके मार्गदर्शन में, एम्स भोपाल ने विभिन्न शैक्षणिक मंचों पर उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। विभिन्न सम्मेलनों और कार्यशालाओं में संकाय सदस्यों की भागीदारी न केवल उनके कौशल को बढ़ाती है बल्कि उन्हें नवीनतम प्रगति के साथ अद्यतन भी रखती है। हाल ही में, एम्स भोपाल के बर्न और प्लास्टिक सर्जरी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ राहुल दुबेपुरिया ने माइक्रोसर्जरी के लिए यूरोपीय फेडरेशन ऑफ सोसाइटीज (ईएफएसएम 2024) की 16वीं कांग्रेस में भाग लिया। इस सम्मेलन का आयोजन इटली के मिलान में किया गया था। इस सम्मेलन में 40 देशों के 850 से अधिक माइक्रो सर्जन्स ने भाग लिया। डॉ दुबेपुरिया ने प्रसूति ब्रेकियल प्लेक्सस पाल्सी (ओबीपीपी) के उपचार पर अपना शोध प्रस्तुत किया। ब्रैकियल प्लेक्सस आपस में जुड़ी हुई नसों का एक नेटवर्क है जो बांह और हाथ में गति और संवेदना को नियंत्रित करता है। ब्रेकियल प्लेक्सस की चोट में इन नसों को अचानक नुकसान होता है, जिससे कंधे, बांह और/या हाथ में दर्द, कमजोरी, संवेदना की हानि या गति में कमी हो सकती है। ब्रैकियल प्लेक्सस गर्दन से शुरू होता है और ऊपरी छाती को पार करके बगल तक जाता है। ओबीपीपी आमतौर प्रसव के दौरान खिंचाव की वजह से होने वाली चोटों के कारण होता है। अपने प्रस्तुतीकरण में, डॉ दुबेपुरिया ने एक अभिनव सर्जिकल दृष्टिकोण प्रस्तुत किया जिससे एक ही चरण में कई सर्जरी की जा सकती हैं।

गांधीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में संचालित डेंटल यूनिट में एक माह में 600 से अधिक मरीजों का उपचार

अब ग्रामीण क्षेत्र में भी दंत रोगों के उपचार की सुविधा उपलब्ध

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गांधीनगर में संचालित डेंटल यूनिट में विहार माह छ: सौ से अधिक लोगों को दांतों की विभिन्न समस्याओं का उपचार दिया गया है। फरवरी माह से शुरू की गई इस सुविधा के तहत विहार माह 612 मरीजों की जांच व उपचार किया जा चुका है । इनमें से 25 मरीजों का ओरल प्रोफिलेक्सिस ट्रीटमेंट किया गया है। डेंटल यूनिट में ओरल कैंसर स्क्रीनिंग भी की जा रही है। इसके तहत 125 लोगों की स्क्रीनिंग की गई है। इनमें से 2 मरीजों में ओरल कैंसर के प्रारंभिक लक्षण पाए गए हैं।इनकी अन्य आवश्यक जांचें करवाई जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि पूर्व में केवल जिला चिकित्सालय में ही दंत रोगों के उपचार की सुविधा उपलब्ध थी। लोगों को उनके नजदीक ही दंत रोग की उपचार की सुविधा देने के उद्देश्य से सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर भी डेंटल यूनिट शुरू की गई है। अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गांधीनगर के साथ साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलार तथा बेरसिया में भी डेंटल यूनिट्स काम कर रही हैं। गांधी नगर में पदस्थ दंत चिकित्सकों डॉ प्रेमलता गोयल एवं डॉ भावना सिंह में बताया कि इन यूनिट्स में ओरल कैंसर स्क्रीनिंग की सुविधा भी दी जा रही है। सभी दंत रोग इकाईयां सुबह 9 से दोपहर बजे तक एवं सायंकालीन ओपीडी में 5 से 6 बजे तक संचालित हैं।

स म्पा द की य

दिल्ली का नया चुनावी मुद्दा...!

दिल्ली में दो सत्तापक्ष हो गए हैं। एक केंद्र में बैठी भाजपा और एक राज्य में काबिज आम आदमी पार्टी। लेकिन यहां राष्ट्रीय राजधानी होने के कारण अधिकारों की लड़ाई लगातार जारी है। लोकसभा चुनाव की परिस्थितियों में परिवर्तन होने के कारण चुनावी मुद्दे भी बदलते जा रहे हैं। तमाम मुद्दे आजमाये जा चुके हैं। अब मतदान के पहले दिल्ली में राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल का मुद्दा चुनावी मुद्दा बनता जा रहा है। या ये भी कह सकते हैं कि मुद्दा बनाया जा रहा है।

असल में दिल्ली में चुनाव 25 मई को हैं और यहाँ आप और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं, इस कारण इंडिया गठबंधन की स्थिति कुछ बेहतर मानी जा रही है। खैर, पहले आते हैं स्वाति मालीवाल के मुद्दे पर। स्वाति ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री के पीए ने उनके साथ मारपीट की। जिस दिन मारपीट हुई उसी दिन वे रिपोर्ट लिखाने थाने भी पहुँचीं, लेकिन रिपोर्ट नहीं लिखाई। क्यों नहीं लिखाई, इस बारे में कोई उनसे सवाल नहीं कर पा रहा है। इस घटना के बाद केजरीवाल के टूर पर उनके पीए और स्वाति मामले के आरोपी बिभव कुमार उनके साथ नज़र आ गए। अन्य दलों ने इसकी निंदा की और कहा कि जब दोषी के खिलाफ कार्रवाई ही करनी होती तो उसे साथ लिए क्यों घूमते भला?

इस बीच कुछ लोगों ने कहा कि स्वाति का राज्यसभा टिकट किसी और को दिया जा रहा है इसलिए ये पूरा मामला बनाया जा रहा है। स्वाति ने इन सभी आरोपों का खंडन किया और आख़िर गुरुवार को मुख्यमंत्री के पीए विभव कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। जब घटना के दिन से ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे को उठा लिया तो आप पार्टी समझौते के मूड में आ गई थी। इसीलिए संजय सिंह ने एक सधा हुआ बयान दिया था लेकिन अब इस एफआईआर के बाद मामला आर- पार का हो चुका है। लगता है स्वाति और आप पार्टी में अब किसी समझौते की गुंजाइश नहीं रह गई है।

रिपोर्ट लिखाई जाने और आरोपी की गिरफ्तारी के बीच एक और वीडियो वायरल हुआ, यदि उसे सही माना जाए तो स्वाति मालीवाल के साथ विभव कुमार ने बदलूकी नहीं की, उलटे इसमें तो मालीवाल कहती नजर आ रही हैं कि वे उसकी नौकरी खा जाएंगी। यही नहीं, पीए कह रहे हैं कि वे बाहर चली जाएं। इसमें महिला पुलिस स्वाति को बाहर ले जाते हुए भी दिखाई दे रही है। फिलहाल चूंकि स्वाती महिला हैं और केंद्र में बैठी भाजपा को दिल्ली फतह करने के लिए एक बहुत बेहतरीन मुद्दा मिल गया है, सो भाजपा इस विवाद को खूब हवा दे रही है। इस घटना के खिलाफ प्रदर्शन भी किए जा रहे हैं। अब तक यह बात सार्वजनिक नहीं हुई है कि एक महिला सांसद के साथ मुख्यमंत्री के पीए ने इस तरह मारपीट क्यों की?

सवाल तो उठता ही है कि आख़िर यह पूरा मामला सही मायने में है क्या और किससे जुड़ा हुआ है? मालीवाल मामले को जिस तरह से हवा दी जा रही है, यह भी कहा जाने लगा है कि पूरा मामला फ्रेम किया गया है। इस बीच दिल्ली पुलिस सीएम हाउस से वीडियो भी निकाल कर ले गई। दिल्ली पुलिस केंद्र के अधिकृत है। सो आम आदमी पार्टी के लिए और मुश्किल खड़ी हो सकती है। जो वीडियो विभव कुमार को निर्दोष साबित कर सकता है, यदि वह वास्तव में सही है तो उसे पुलिस झुठला भी सकती है। और उसमें छेड़छाड़ की भी पूरी गुंजाइश है। पुलिस चाहे तो झूठे मामले को भी सच बना सकती है, यह कई बार देखा जा चुका है।

राजनीतिक गलियारों में ऐसी चर्चा है कि आप पार्टी मालीवाल की कथित संदिग्ध गतिविधियों के चलते उनका राज्यसभा का टिकट काटना चाह रही थी। साथ ही यह भी चर्चा है कि उनकी बात भाजपा में भी उच्च स्तर पर चल रही थी। अचानक अपनी ही पार्टी के खिलाफ ऐन चुनाव के पहले जिस तरह से यह मामला उठा है या उठाया जा रहा है, उसके पीछे राजनीतिक साजिश से भी इंकार नहीं किया जा रहा है।

हालांकि यह सही है कि दिल्ली की चुनावी हवा पक्ष में दिखने के बावजूद फिलहाल तो आप पार्टी ने खुद ही चुनाव के ऐन पहले दूसरी राजनीतिक पार्टियों को एक बड़ा मुद्दा दे दिया है। इंडिया गठबंधन में शामिल दलों को इस मामले में कुछ भी बोलना भारी पड़ सकता है इसलिए वे सिर्फ़ यह कह रहे हैं कि महिला का सम्मान हमारे लिए सर्वोपरि है और जो भी दोषी होगा, उसके ख़िलाफ़ मुख्यमंत्री कार्रवाई ज़रूर करेंगे। मामला इतनी जल्दी ठंडा होने वाला नहीं है, क्योंकि सत्ता में काबिज पार्टी ही इसे सबसे ज्यादा हवा दे रही है। भाजपा का मानना है कि इस मुद्दे के सहारे वह दिल्ली की चुनावी हवा को बदल सकती है। इस तरह का विवाद क्यों हुआ? इसके पीछे आखिर क्या छिपा हुआ है, कोई नहीं जानता। लेकिन विवाद को तूल तो दिया ही जा रहा है। वैसे भी इस चुनाव में जिस तरह के मुद्दे उठाए जा रहे हैं, वो मुद्दों की श्रेणी में आते ही नहीं हैं। और जो बयान या भाषण दिए जा रहे हैं, वे भी लोकतंत्र की गरिमा के अनुकूल नहीं कहे जा रहे हैं। इस बार प्रतिद्वंद्विता को दो देशों के बीच संघर्ष के रूप में लिया जा रहा है। स्तर की बात तो करना ही बेमानी सा हो गया है।

जय हिंद।

चुनावी समर में आमने-सामने एनडीए और महागठबंधन

-अरुण पटेल

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के मतदान के लिए अब केवल एक दिन शेष है और 20 मई को 6 राज्यों तथा दो केंद्र शासित प्रदेशों की 49 लोकसभा सीटों पर 695 उम्मीदवारों का भाग्य भी इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों में कैद हो जायेगा, उसके बाद केवल दो चरण और बाकी रहेंगे तथा 4 जून 2024 का दिन ढलते-ढलते यह साफ हो जायेगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी पारी खेलेंगे या फिर कोई नया चेहरा सामने आयेगा। इन दिनों भाजपा की अगुवाई वाले एनडीए और कांग्रेस के अगुवाई वाले इंडिया महागठबंधन के बीच अधिकांश लोकसभा क्षेत्रों में सीधा चुनावी मुकाबला हो रहा है और कहीं-कहीं इंडिया गठबंधन के सहयोगी आपस में भी भिड़ रहे हैं। दोनों गठबंधनों के नेता एक-दूसरे पर आग उगलती जुबान में शाब्दिक हमला कर रहे हैं और यह हर दिन और अधिक तीखा होते जाने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता क्योंकि इसमें कोई किसी से पीछे नहीं रहना चाहता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कह रहे हैं कि यदि केन्द्र में कांग्रेस की सरकार बनी तो वह राम को फिर से टेंट में भेज कर राम मंदिर पर बुलडोजर चलवा देगी वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी का कहना है कि मोदी ने अपनी हार मान ली है और उनका गुड बॉय हो गया। भले ही इंडिया गठबंधन या कांग्रेस ने राहुल गांधी को बतौर नेता प्रोजेक्ट न किया हो लेकिन प्रधानमंत्री और भाजपा नेता इस चुनावी लड़ाई को नरेन्द्र मोदी बनाम राहुल गांधी बनाना चाहते हैं इसलिए उनके निशाने पर कांग्रेस कम राहुल गांधी अधिक हैं। सबसे अधिक 80 लोकसभा सीटों वाले उत्तरप्रदेश में असली चुनावी घमासान हो रहा है क्योंकि महागठबंधन भाजपा से अधिक से अधिक सीटें छीनने के प्रयासों में लगा हुआ है जबकि भाजपा को अपनी समूची ताकत 2019 के लोकसभा चुनाव में जीती गई सीटों को बचाने में लगी हुई है। क्योंकि यदि उत्तरप्रदेश में भाजपा की सीटों की संख्या में कमी होती है तो उसकी भरपाई

वह कहां से करेगी यह सवाल विपक्षी नेताओं द्वारा उठाया जा रहा है। भाजपा 400 के आसपास सीटें लाने के लिए जी-जान से भिड़ी हुई है तो इंडिया महागठबंधन को भरोसा है कि सरकार उसकी ही बनेगी। आम आदमी पार्टी सुप्रीमो व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दावा कर रहे हैं कि इस बार केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए उत्तरप्रदेश में बाराबंकी और हमीरपुर की चुनावी सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि यदि ये सत्ता में आये तो राम मंदिर पर बुलडोजर चलवा देंगे। उनका यह भी कहना था कि इनके लिए परिवार और सत्ता ही सब कुछ है। उन्होंने सलाह दी कि ये पार्टियां उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस बात की शिक्षा लें कि बुलडोजर कहां चलना चाहिये। मतदाताओं को सावधान करते हुए मोदी कहते हैं कि ये सत्ता में आये तो आपकी प्रापर्टी का हिस्सा उन्हें सौंप देंगे जो इनके लिए वोट जिहाद करते हैं। मोदी का कहना था कि कांग्रेसी रायबरेली में कह रहे हैं कि वे यहां प्रधानमंत्री को चुन रहे है, ये दिन में सपने देखने जैसी बात है। यह सुनते ही समाजवादी शहजादे का तो दिल ही टूट गया, बस आंसू नहीं निकले पर दिल के सारे अरमॉ बह गये। इस प्रकार मोदी ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव की जोड़ी पर एक साथ निशाना साधा।

वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी ने रायबरेली और अमेठी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि मोदी ने हार मान ली है, उनका गुडबॉय हो चुका है और अब 4 जून के बाद मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी तथा सबको बराबरी का हक देना ही देश के मुद्दे हैं लेकिन महंगाई पर पूछो तो कहते हैं कि अंबानी परिवार की शादी देखो। कोरोना आया तो कहते हैं कि थाली बजाओ, इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर हर महीने 10 किलो राशन सरकार देगी। अखिलेश यादव ने भी मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वो जो कहते थे कि न खायेंगे न खाने देंगे और वे सब डकार गये, अब जनता कह रही है कि इन्हें हटायेंगे। लंबे समय तक रायबरेली का प्रतिनिधित्व करने वाली सोनिया गांधी ने रायबरेली की सभा में बड़े भावुक व मार्मिक अंदाज में वहां के लोगों से कहा कि मैं अपना बेटा आपको सौंप रही हूं, रायबरेली से हमारे परिवार का नाता गंगा के समान पवित्र रहा है। राहुल गांधी आपको निराश नहीं करेंगे।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साफ किया है कि वह इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं तथा उसमें शामिल हैं, केन्द्र में कांग्रेस के नेतृत्व में बनने वाली सरकार का समर्थन करेंगी। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि उसे प. बंगाल में चुनावी सफलता नहीं मिलने वाली और वह अपनी पिछले चुनाव की परफारमेंस नहीं दोहरा पायेगी उससे नीचे ही जायेगी। चूंकि प. बंगाल में इंडिया गठबंधन के दल आपस में एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है तो वहीं कांग्रेस और वाममोर्चा एक गठबंधन बनाकर चुनाव लड़ रहे हैं। इस पर सफाई देते हुए ममता कहती हैं कि बंगाल में नहीं लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन में हैं। अपने एक दिन पूर्व के इस बयान पर कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर बाहर से समर्थन देंगी, पर काफी विवाद होने के बाद ममता ने कहा कि अखिल भारतीय स्तर पर हमने विपक्षी महागठबंधन भारत यानी इंडिया का गठन किया है और हम गठबंधन में रहेंगे। मैंने वह गठबंधन बनाया है और मैं गठबंधन में रहूंगी। बंगाल में कोई कांग्रेस नहीं, यहां कोई सीपीएम नहीं लेकिन अखिल भारतीय स्तर पर हम गठबंधन में रहेंगे, इसमें गलतफहमी की कोई गुंजाइश नहीं है।

और यह भी

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और महाविकास अघाड़ी के नेता उद्धव ठाकरे जिनकी अगुवाई में महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव लड़ा जा रहा है ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि वह नई पीढ़ी के लिए जगह नहीं बना रहे हैं। नई पीढ़ी के लिए जगह बनाने की बजाए वे तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने को उत्सुक हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जो इन दिनों उत्तरप्रदेश के यादव बहुल इलाकों में भाजपा प्रत्याशियों का चुनाव प्रचार कर रहे हैं, उन्होंने कांग्रेस व समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग कुछ लोगों को अपने वोट का गुलाम बनाकर रखना चाहते हैं, इनकी मानसिकता ही ऐसी है, पहले अंग्रेजों ने ऐसा किया था अब कांग्रेस भी ऐसा कर रही है वह एक ऐसी पूंछ है जो सीधी नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि मुस्लिम वर्ग के लोग हमारे साथ हैं इसलिए कांग्रेसियों व समाजवादियों के पेट में दर्द हो रहा है।

हाय-हाय गर्मी: हमारे करतबों का नतीजा

-राकेश दुबे

पग पग रोटी डग डग नीर से परिभाषित होने वाले मध्यप्रदेश के एक बड़े हिस्से की यह पहचान मौसम बदल रहा है, मध्यप्रदेश ही नहीं पूरे देश का चेहरा इस गर्मी में तमतमा रहा है। अब हर साल मई-जून आते ही पारा बढ़ने पर अखबारों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की सुर्खियां डराने लगी हैं। इस डर को बढ़ाने में बाजार के उत्पादों का खेल भी शामिल है। कहीं से तो पारा 47 डिग्री पहुँचने की खबर भी आई है ।आने वाले दिनों में तापमान बढ़ने व ऑरेंज अलर्ट की चेतावनी लू को लेकर मौसम विज्ञान ने दी है। हर रोज एक नई खबर होती है कि फलां दिन अब तक सबसे गर्म रहा। इतने सालों का रिकॉर्ड टूट गया ।

निश्चित रूप से खेत में काम करते किसान, खुले में जीविका के लिए पसीना बहाते कामगार व आम नागरिकों के लिये यह चुनौतीपूर्ण समय होता है। बच्चों के लिये यह समय विकट जरूर होता है, जिसके चलते देश के लगभग सभी राज्यों में जून माह में बच्चों की छुट्टियां घोषित हुई हैं। यह समय खासकर बुजुर्गों व पहले ही कई रोगों से पीड़ित लोगों के लिये खास सावधानी की मांग करता है। ऐसे में यदि बिजली की कटौती सामने आए तो और कष्टदायक होता है। यह भी सत्य है कि इस मौसम में बिजली की खपत अचानक बढ़ने और जल प्रवाह में कमी से बिजली आपूर्ति प्रभावित होती है। जाहिर है बिजली की कटौती परिस्थितिजन्य भी होती है।

इस बीच एक अच्छी खबर यह भी है कि मानसून देश में एक दिन पहले आ जाएगा और इस बार भरपूर मानसून बरसने की भविष्यवाणी भी की जा रही है, लेकिन हमें मानकर चलना चाहिए कि ग्लोबल वार्मिंग से मौसम के मिजाज में तल्खी आ रही है। अफगानिस्तान, ब्राजील समेत कई देश अप्रत्याशित बाढ़ का सामना कर रहे हैं। हिमालय के आंगन उत्तराखंड में वन सुलग रहे हैं। जाहिर है पूरे देश को प्राणवायु देने वाले जंगलों के जलने का असर पूरे देश के तापमान पर पड़ेगा। ऐसे में हर नागरिक मान ले कि हमने प्राणवायु देने वाले जंगलों को जिस बेरहमी से काटकर कंक्रीट के जंगल उगाए हैं, उसका असर तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि के रूप में तो सामने आएगा ही। हमें और अधिक गर्मी के लिये तैयार रहना होगा।

हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के अनुरूप जैसी जीवन शैली विकसित की थी, वह हमें कुदरत के चरम से बचाती थी। हम महसूस करें कि बढ़ती जनसंख्या का संसाधनों में बढ़ता दबाव भी तापमान की वृद्धि का कारण है। बड़ी विकास परियोजनाओं व खनन के लिये जिस तरह जंगलों को उजाड़ा गया, उसका खमियाजा हमें और आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। विलासिता के साधनों, वातानुकूलन के मोह और कार्बन उगलते वाहनों की होड़ भी हमारे वातावरण में तापमान में वृद्धि कर रही है।

एक नागरिक के रूप में हम आत्ममंथन करें कि गर्मी के आने पर हम हाय-हाय तो करने लगते हैं, लेकिन कभी हमने विचार किया कि हम इस स्थिति को दूर करने के लिये क्या योगदान देते हैं? क्या हम पौधा-रोपण की ईमानदार कोशिश करते हैं? हम जल के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं? क्या वर्षा जल सहेजने का प्रयास करते हैं ताकि तापमान कम करने व भूगर्भीय जल के संरक्षण में मदद मिले? हमें बढ़ते तापमान के साथ जीना सीखना होगा। गर्मी को लेकर हायतौबा करने से गर्मी और अधिक लगती है।

हमारे पुरखों ने मौसम अनुकूल खानपान, परंपरागत पेय-पदार्थों के सेवन तथा मौसम अनुकूल जीवन शैली का ऐसा ज्ञान दिया, जो हमें मौसम के चरम में सुरक्षित रख सकता है। रासायनिक खादों से बने भोजन व अशुद्ध दूध व उससे बने उत्पादों के उपभोग से हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता घटी है। हमारे जीवन में लगातार घटते श्रम ने भी जीवनी-शक्ति को कम ही किया है। एक व्यक्ति के रूप में हम बहुत कुछ ऐसा कर सकते हैं जिससे तपिश से खुद व समाज को सुरक्षित कर सकते हैं। हम अपने आंगन-छतों में हरियाली उगाकर घर का तापमान अनुकूल कर सकते हैं। साथ ही प्रकृति में विचरण करने वाले पक्षियों व जीव-जंतुओं को भी गर्मी से बचाने के लिये भी प्रयास करने चाहिए। यह गर्मी आने वाले समय में और बढ़ सकती है। सरकार व समाज मिलकर इसका मुकाबला कर सकते हैं।

कानून की मनमानी व्याख्या पर सुप्रीम कोर्ट का झटका

- योगेन्द्र योगी

देश की शीर्ष अदालत ने दो मामलों में केंद्र सरकार को जोर का झटका धीरे से देते हुए यह जाहिर कर दिया कि कानूनों की मनमानी व्याख्या अपनी सुविधा के हिसाब से नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट के ईडी की गिरफ्तार करने की शक्तियों को सीमित करने के साथ ही दूसरे मामले में एक वरिष्ठ पत्रकार की गिरफ्तारी को अवैध करार देने से केंद्र को यह झटका लगा है। इन दोनों मामलों में दिए गए फैसलों से बेशक केंद्र की भाजपा सरकार को व्यापक राजनीतिक नुकसान नहीं हो किन्तु इसके दूरगामी परिणाम अवश्यंभावी होंगे। परिणाम यह होगा कि ईडी अब आसानी से किसी के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई नहीं कर सकेगी। इसी तरह पुलिस खिलाफ खबर पर किसी पत्रकार को भी आसानी से गिरफ्तार नहीं कर सकेगी। ईडी की कार्रवाई में कितने कानूनी तथ्य हैं, यह देखने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अधिनस्थ अदालतों को रैफ्री की भूमिका दी है। गौरतलब है कि लंबे अर्से से विपक्षी दल केंद्रीय एजेंसियों पर भेदभाव के आरोप लगाती रहीं हैं। विपक्षी दलों का आरोप है केंद्र सरकार राजनीतिक रंजिशवश इन एजेंसियों को दुरुपयोग कर रही है। एक याचिकाकर्ता ने दिसंबर 2023 में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी थी।

याचिकाकर्ता का सवाल था कि अगर विशेष अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में व्यक्ति विशेष के आरोपों को संज्ञान में ले लिया है, तो क्या तब भी उसे बेल के लिए सेक्शन 45 की दोहरी शर्तों को पूरा करना होगा। इस मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद धन-शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) प्रावधानों के तहत जमानत की कड़ी शर्तों को संतुष्ट करने की जरूरत नहीं है। अगर आरोपी समन द्वारा विशेष अदालत के समक्ष पेश होता है, तो यह नहीं माना जा सकता कि वह हिरासत में है। अगर अदालती समन के चलते पेश होने के बाद ईडी आरोपी की हिरासत चाहती है, तो उसे विशेष अदालत में आवेदन देना होगा। अदालत केवल उन कारणों के साथ हिरासत देगी, जो संतोषजनक हो और जिनमें हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत हो। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बेंच ने कहा है कि अगर किसी मामले में ईडी ने किसी आरोपी को गिरफ्तार किए बिना

चार्जशीट दाखिल की और अदालत ने इस पर संज्ञान लेकर उसे समन किया तो ऐसे व्यक्ति को पीएमएलए के तहत जमानत के लिए दोहरी शर्तों को पूरा करने की आवश्यकता नहीं है।

पीएमएलए को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान 2002-03 में लाया गया था। बाद में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान 1 जुलाई, 2005 को इसे लागू किया गया। उस वक्त इस कानून को ब्लैक मनी के फ्लो को रोकने के उद्देश्य से बनाया गया था। पीएमएलए कानून के तहत सबसे पहले झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सीएम मधु कोडा के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इसके बाद साल 2010 में 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला घोटाला समेत कई बड़े घोटालों में इस कानून के तहत कार्रवाई हुई। फिर साल 2012 में तत्कालीन वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने इसमें संशोधन भी किया था। बीते कुछ सालों में इस एक्ट में और भी कई बदलाव किए गए हैं। ईडी की शक्तियां सीमित करने के साथ केंद्र सरकार को दूसरा झटका लगा न्यूज क्लिक के फाउंडर संपादक प्रबीर पुरकायस्थ की गिरफ्तारी को लेकर। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद न्यूज क्लिक के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ को रिहा कर दिया गया। न्यूजक्लिक फाउंडर पुरकायस्थ को पोर्टल के माध्यम से राष्ट्र-विरोधी प्रचार को बढ़ावा देने के लिए कथित चीनी फंडिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुरकायस्थ के खिलाफ आरोप लगाया गया कि न्यूजक्लिक को चीन के पक्ष में प्रचार के लिए कथित तौर पर धन मिला था। देश की सबसे बड़ी अदालत ने यूएपीए मामले में उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को गलत माना। कोर्ट का यह फैसला अपने आप में एक नजीर है। इसका असर आने वाले दिनों में दूसरे फैसलों पर भी दिख सकता है।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के जरिए किसी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस के सामने एक साफ-साफ लकीर खींच दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि गिरफ्तारी के वक्त पुलिस को इसका आधार लिखित तौर पर देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 के तहत सबसे अटूट मौलिक अधिकार है। इसे भी किसी तरह नजरअंदाज या अनदेखा नहीं किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट की कही इस बात का स्पष्ट संदेश है कि हर नागरिक के लिए जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार की अपनी विशेष अहमियत है। इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूएपीए या अन्य कानून के तहत किसी भी शख्स की गिरफ्तारी से पहले अब पुलिस को पहले लिखित में ये बताना जरूरी होगा कि उसकी गिरफ्तारी किस आधार पर की जा रही है। इसके लिए लिखित में भी सूचित करना होगा। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान ये भी साफ कर दिया है कि किसी भी इंसान के लिए कानूनी कार्रवाई एक जैसी होनी चाहिए और उसे किसी हाल में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि गिरफ्तारी के ऐसे लिखित आधारों की एक कॉपी गिरफ्तार किए गए शख्स को बिना किसी अपवाद के जल्द से जल्द दी जानी चाहिए। कोर्ट की इस टिप्पणी से ये साफ हो गया कि गिरफ्तार शख्स को हर हाल में जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिखित आधारों की एक कॉपी मिलनी चाहिए, ताकि उसे अपने खिलाफ हो रही कार्रवाई की पूरी जानकारी हो। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई झिझक नहीं है कि लिखित रूप में गिरफ्तारी के लिए रिमांड कॉपी नहीं दी गई, जिसके चलते गिरफ्तारी अवैध है। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने जो कहा उससे इस बात की रिमांड की कॉपी ना मिलने पर गिरफ्तारी को भी अवैध साबित किया जा सकता है। कोर्ट ने मौलिक अधिकार पर अतिक्रमण करने के किसी भी प्रयास को अस्वीकार कर दिया।

कोर्ट ने कहा कि इस प्रकार, संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 द्वारा ऐसे मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटना होगा। कोर्ट की इस टिप्पणी से भी साफ हो रहा है कि अगर ऐसा होता है तो उसे इंसान के मौलिक अधिकार का हनन माना जाएगा। फैसला लिखते हुए, न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि पुरकायस्थ की गिरफ्तारी, उसके बाद पिछले साल 4 अक्टूबर का रिमांड आदेश और दिल्ली उच्च न्यायालय का 15 अक्टूबर का रिमांड को वैध करने का आदेश, कानून के विपरीत था और इसलिए इसे रद्द कर दिया गया। इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूएपीए या अन्य अपराधों के आरोप में गिरफ्तार किए गए किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधार के बारे में लिखित रूप में सूचित किया जाना मौलिक और वैधानिक अधिकार है। किसी को भी ऐसे ही नहीं उठा सकते।

सुप्रीम कोर्ट के इन दोनों आदेशों से स्पष्ट है कि पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां आंख बंद करके कोई कार्रवाई नहीं कर सकेंगी। न्यूज क्लिक के फाउंडर की गिरफ्तारी के अवैध करार देने से यह भी साफ हो गया है कि सरकार विरोधी खबरें लिखने-दिखाने पर राजनीतिक दल सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल दुर्भावनावश नहीं कर सकती। शीर्ष कोर्ट के इस फैसले से निश्चित तौर पर प्रेस की आजादी से एक बड़ा डर समाप्त हो गया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण, आईसीयू का मॉनीटर बंद मिलने पर जताई नाराजगी

ग्वालियर- जिला चिकित्सालय मुरार की ओपीडी, सभी वार्ड, आईसीयू एवं सम्पूर्ण परिसर में मरीजों एवं उनके परिजनों के लिये बेहतर से बेहतर सुविधायें उपलब्ध कराएँ। इसमें कोई ढिलाई न हो। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सिविल सर्जन को दिए। कलेक्टर श्रीमती चौहान शनिवार को जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण करने पहुँचीं थीं।

उन्होंने यहाँ के आईसीयू में मॉनीटर चालू न मिलने पर नाराजगी जताई और इंचार्ज डॉक्टर, ड्यूटी डॉक्टर एवं ड्यूटी नर्स को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही कुछ पलंगों पर बैडशीट साफ न पाए जाने पर संबंधित एजेंसी पर पैनल्टी लगाने की हिदायत दी।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जिला चिकित्सालय मुरार की आईसीयू, ओपीडी विंग, विभिन्न वार्ड, रजिस्ट्रेशन काउण्टर, मेटरनिटी विंग, पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड, चिल्ड्रन वार्ड इत्यादि का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय परिसर में मरीजों को गर्मी का सामना न करना पड़े, इसके लिये आईसीयू सहित अस्पताल के विभिन्न वार्डों व अन्य इकाईयों में जरूरत के मुताबिक एयर कंडीशनर लगाने का प्लान बनाकर उसे मूर्तरूप दें।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने आईसीयू का मॉनीटर तत्काल चालू कराने एवं यहाँ की मेडीसिन ट्रे व अन्य सामग्री पर पेंट कराने के निर्देश सिविल सर्जन को दिए। साथ ही मेटरनिटी विंग के निर्माण के लिये डीपीआर जल्द से जल्द स्वीकृति के लिये भिजवाने को कहा।

रजिस्ट्रेशन काउण्टर पर स्पीकर की व्यवस्था करें : जिला चिकित्सालय मुरार की ओपीडी के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निर्देश दिए कि रजिस्ट्रेशन काउण्टर पर स्पीकर की व्यवस्था करें। साथ ही मेटरनिटी विंग में रजिस्ट्रेशन की लाइन सुव्यवस्थित ढंग से लग सकें, इसके लिये रैलिंग लगाई जाए। रजिस्ट्रेशन काउण्टर के

सामने रजिस्ट्रेशन संबंधी बोर्ड प्रदर्शित कराने के निर्देश भी उन्होंने दिए। साथ ही मेटरनिटी विंग में वाटर कूलर लगवाने के लिये कहा।

अस्पताल परिसर में जगह-जगह सकारात्मक संदेश लिखवाएँ: जिला चिकित्सालय में मरीजों के लिये सकारात्मक व सुविधाजनक वातावरण बनाने पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि अस्पताल परिसर में मरीजों और उनके परिजनों को बैठने के लिए जगह-जगह कुर्सी लगवाएँ। साथ ही अस्पताल परिसर की दीवारों पर प्रेरणादायी संदेश भी प्रदर्शित कराएँ, जिससे मरीजों में सकारात्मकता आए और वे जल्द से जल्द स्वस्थ हो सकें। उन्होंने अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने पर भी विशेष बल दिया।

बच्चों के वार्ड को बनाएँ चिल्ड्रन फ्रेंडली: कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि बच्चों के वार्ड को चिल्ड्रन फ्रेंडली बनाएँ। वार्ड की दीवारों पर आकर्षक एवं प्रेरणादायी कार्टून प्रदर्शित कराने के साथ-साथ बच्चों की रूचि को ध्यान में रखकर अन्य व्यवस्थायें कर इसे चिल्ड्रन फ्रेंडली वार्ड का रूप दें।

अस्पताल परिसर में एटीएम के लिए जगह दें: कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला चिकित्सालय परिसर में मरीजों व उनके परिजनों की सुविधा के लिये बैंकों से समन्वय स्थापित कर एटीएम लगवाने के लिये भी कहा। उन्होंने अस्पताल परिसर में एटीएम के लिये जगह चिन्हित करने के निर्देश सिविल सर्जन को दिए।

प्रैक्टिस शुल्क बढ़ाने का सुझाव :

अपने आवासीय परिसर में प्रैक्टिस करने वाले शासकीय चिकित्सकों द्वारा जमा किए जाने वाले शुल्क में बढ़ोत्तरी का सुझाव भी सामने आया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने इसका प्रस्ताव तैयार करने के लिये सिविल सर्जन से कहा। ज्ञात हो प्रैक्टिस करने वाले चिकित्सक द्वारा वर्तमान में रोगी कल्याण समिति के खाते में एक हजार रूपए जमा किए जा रहे हैं। इसी तरह इनडोर पेशेंट का शुल्क 30 रूपए से बढ़ाकर 60 रूपए करने और टीएमटी (ट्रेड मील टेस्ट) मशीन द्वारा जाँच के लिए 300 रूपए का शुल्क रखने के प्रस्ताव भी सामने आए। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने इन प्रस्ताव पर परीक्षण उपरांत विचार करने के लिये कहा है।

प्रायवेट वार्ड में टीवी व एसी लगवाएं: जिला चिकित्सालय के प्रायवेट वार्ड के कक्षों में टीवी व एसी लगवाने के उन्होंने निर्देश दिए। साथ ही कहा कि प्रायवेट वार्डों में आधुनिक अस्पतालों की तर्ज पर सुविधायें बढ़ाने के लिये रूम का शुल्क बढ़ाया जा सकता है।

अच्छा काम करने वाले कर्मचारियों को हर माह कराएँ सम्मानित: जिला चिकित्सालय में अच्छा काम कर रहे पैरामेडीकल स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों को हर माह सम्मानित कराने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सिविल सर्जन को दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए एक कमेटी बनाएँ। इस कमेटी से कर्मचारियों की परफोर्मेंस का आंकलन कराएँ और उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करें।

जिला चिकित्सालय को उत्कृष्ट मापदण्डों के अनुरूप तैयार करें: कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला चिकित्सालय को चिकित्सा मापदण्डों के लिहाज से उत्कृष्ट बनाने पर बल दिया है। उन्होंने कहा एनएबीएच (नेशनल एक्रिडीएशन बोर्ड ऑफ हॉस्पिटल), एनएबीएल (नेशनल एक्रिडीएशन बोर्ड ऑफ लेबोरेटरी) एवं एनक्यूएएस (नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस स्टैंडर्ड) के अनुरूप अस्पताल में व्यवस्थायें करने के निर्देश दिए, जिससे जिला चिकित्सालय इन सभी के मापदण्डों पर खरा उतरकर उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर सके।

ऐतिहासिक धरोहर बरण्डा गेट गिर जाने की घटित घटना की होगी जाँच:कलेक्टर

दमोह -तहसील दमयंती नगर दमोह क्षेत्र में 18 मई 2024 की रात्रि लगभग 10-30 बजे शहर के घंटाघर स्थित ऐतिहासिक धरोहर बरण्डा गेट गिर जाने की घटना घटित होने के कारणों की जाँच हेतु कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने अनुविभागीय दण्डाधिकारी दमोह को जाँच अधिकारी नियुक्त किया हैं। कलेक्टर श्री कोचर ने जांच के बिन्दु तय किए है यथा घटित घटना का मुख्य कारण क्या है, घटित घटना के लिये कौन-कौन व्यक्ति/संस्थाएं जिम्मेदार है, क्या भवन निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पूर्व आवश्यक अनुमतियां एवं स्वीकृतियां प्राप्त की गई थी, इस प्रकार की घटना भविष्य में घटित न हो, इसके लिये आवश्यक सुझाव तथा अन्य कोई सुसंगत तथ्य जो जांच में पाये गये का उल्लेख किया जाये। कलेक्टर श्री कोचर ने अनुविभागीय दण्डाधिकारी दमोह से कहा है 48 घंटो की समयावधि में घटित घटना के समस्त पहलुओं पर जांच करते हुये विस्तृत जाँच प्रतिवेदन प्रस्तुत करना सुनिश्चित किया जाये। उक्त आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

रेलवे पटरी पर अज्ञात व्यक्ति के ट्रेन से कटने से मौत

ओबेदुल्लागंज -ओबैदुल्लागंज रेलवे पटरी पर अज्ञात व्यक्ति के ट्रेन से कटने से मौत रेलवे लाइन खंबा नंबर 801 ओबैदुल्लागंज रेहटी रोड फाटक। के पास रविवार रात्रि अज्ञात व्यक्ति ट्रेन के चपेट में आने से मौत हो गई। रेल्वे पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले को विवेचना में लिया। लोगो ने बताया आए दिन होती है दुर्घटनाएं रेलवे विभाग की बड़ी लापरवाही अंडर ब्रिज बना हुआ लेकिन उसमें 12 महीने पानी भरा रहता जिससे लोगों को रेलवे लाइन पार करके अर्जुन नगर हिरानिया जाना होता है

ग्रीष्म ऋतु में धूप की तपन, लू से रहें सावधान

मंडला--जिले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में ग्रीष्म ऋतु के दौरान बढ़ती धूप की तपन, लू से सावधानी एवं शरीर को मौसमी बीमारी से बचाव हेतु आमजन को कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

ग्रीष्म ऋतु के दौरान क्या करें: घर से बाहर निकलने से पहले भरपेट पानी अवश्य पियें, धूप में जाते समय सूती कपड़े पहनें और सिर और कान को सूती कपड़े से ढक्कर रखें। धूप में घूमने वाले व्यक्ति नमक शक्करयुक्त कोई तरल पदार्थ या ओ.आर.एस. घोल का अधिक सेवन करें। नीबूपानी, केरी का पना, शिकंजी या मठा अधिक से अधिक पिएं, भरपेट भोजन करके ही बाहर निकलें, हमेशा ताजा भोजन, फल और सब्जियाँ खायें। यथासंभव धूप में अधिक न निकलें।

क्या न करें: धूप में खाली पेट न निकलें शरीर में पानी की कमी न होने दें, बुखार में शरीर का तापमान न बढ़ने दें, ठंडे पानी की पट्टी रखें, कूलर या कंडीशनर से धूप में एकदम न निकलें, मिर्च मसालेयुक्त भोजन न करें, बासी भोजन न खायें।

लू लगने पर: व्यक्ति को छायादार जगह में लेटाएं, ढीले कपड़े पहनें, पेय पदार्थ जीवन रक्षक घोल ओ.आर.एस., कच्चे आम का पना पिलायें एवं ताप घटाने के लिये व्यक्ति के सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रखें एवं नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार लें।

केन्द्रीय मंत्री कुलस्ते के जन्मदिन पर जिला अस्पताल में किया गया फल वितरण

मण्डला--भारतीय जनता पार्टी के नेता भारत सरकार के केंद्रीय राज्यमंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते के जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में कार्यकर्ताओं ने मनाया इस अवसर पर जिला अस्पताल में सभी वार्डों में भर्ती मरीजों को फल-बिस्किट का वितरण किया गया साथ ही सायं काल मां नर्मदा का पूजन तथा वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्धजनों को भोजन प्रदान किया गया। इस अवसर पर श्री कुलस्ते ने दूरभाष पर कहा कि मण्डला लोकसभा क्षेत्र की जनता का स्नेह और आर्शीवाद के कारण मैं स्वस्थ एवं प्रसन्न हूँ क्षेत्र के नागरिकों की ओर से मिल रही शुभकामनाएं एवं जन्मदिन के अवसर पर विभिन्न सेवा के कार्य कार्यकर्ताओं के द्वारा किये जा रहे हैं इससे मैं अभिभूत हूँ जन्मदिन के अवसर पर मिल रही शुभकामनाओं के प्रति उन्होंने सभी नागरिक जनों के प्रति अभार व अभिवादन व्यक्त किया है। जिला अस्पताल में फल वितरण के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, शशि पटेल,अनुराग चौरसिया, प्रफुल्ल मिश्रा,विनय मिश्रा, जयदत्त झा, वीरेन्द्र नामदेव, सुदीप ब्रजपुरिया, आकाश क्षत्री, दिनेश चौधरी, मंजू कछवाहा, शिखा श्रीवास्तव, वेदप्रकाश कुलस्ते, सुरेन्द्र क्षत्री, सुधीर मिश्रा, आशीष अत्तू चौरसिया, सागर दुबे सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निवेदिता भारती बहनों का प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन

सांध्य प्रकाश, विदिशा। सेवा भारती का एक दिवसीय निवेदिता भारती बहनों का प्रशिक्षण वर्ग रविवार को सीआईएसटी कॉलेज में सुबह 10 बजे से शाम के 5 बजे तक आयोजित किया गया। जिसमें बहनों को योग अभ्यास, फैशन डिजाइन, हैंड राइटिंग की जानकारी दी गई। साथ में डॉक्टरों ने ब्रेस्ट कैंसर से बचने और मासिक धर्म में विभिन्न सावधानी रखने के उपाय बताए। इस वर्ग में सेवा बस्तियों की 40 बहनों ने सहभागिता की। इस दौरान आनंद शरण, देवांश अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, राजबाला बघेल, स्मिता एलिया एवं सेवा भारती की बहनें उपस्थित रहीं।

कांग्रेस के न्याय पत्र पर बोले कमलनाथ, कहा-यह जनता का फिक्स डिपॉजिट, कई सालों तक मिलेगा रिटर्न

लोकसभा चुनाव 2024 - मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव हो चुके हैं, अब दूसरे राज्यों में प्रदेश के बड़े नेता अपना दम खम दिखा रहे हैं। मध्यप्रदेश में बीजेपी को 29 सीट आने का अनुमान है। इस बीच मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस पार्टी का न्याय पत्र देश की जनता के लिए ऐसा फिक्स डिपॉजिट है, जिसमें जनता अपना वोट जमा कर रही है और आने वाले कई वर्ष तक कई गुना रिटर्न प्राप्त करती रहेगी।

उन्होंने लिखा कि आपका एक वोट नौजवानों को 30 लाख सरकारी नौकरियां, स्नातकों को 8500 रुपये प्रतिमाह स्टाइपंड, गरीब महिलाओं को हर वर्ष एक लाख रुपया, किसानों को एमएसपी की गारंटी और देश के नागरिकों को हर महीने 10 किलो मुफ्त राशन दिला सकता है।

पूर्व सीएम ने लिखा कि आपका एक वोट जातिगत जनगणना के आधार पर सामाजिक न्याय सुनिश्चित कर सकता है। आपका एक वोट संविधान बदलने की साजिश करने वालों को सबक सिखा सकता है। आपका यह वोट सिर्फ कांग्रेस पार्टी या इंडिया गठबंधन के लिए नहीं है, बल्कि आपके वर्तमान और आपके बच्चों के भविष्य के लिए है। देश की जनता ने इस लोक सभा चुनाव को भविष्य निर्माण और राष्ट्र निर्माण का चुनाव बना दिया है। जय कांग्रेस। विजय कांग्रेस।

जिला अस्पताल में तोड़फोड़ कर शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले आरोपी 12 घंटे में पकड़ाए

रतलाम। शहर के जिला अस्पताल में शनिवार रात्रि में करीबन 15 व्यक्तियों ने शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करते हुए एक दुसरे के साथ मारपीट एवं बलवा करने की घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों के विरुद्ध शहर के थाना स्टेशन रोड़ पर अपराध क्रमांक 695/24 धारा 353, 147, 149, 427, 294,506 भादवि एवं धारा 3/4 म.प्र.चिकित्सक या चिकित्सा से संबधित व्यक्तियों की सुरक्षा अधिनियम एवं धारा 3 सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के अंतर्गत पंजीबद्ध किया गया था।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी राहुल कुमार लोढा ने थाना प्रभारी स्टेशन रोड के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपीयों की शीघ्र गिरफ्तारी करते हुए कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया था।

मामले में पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 5 आरोपीगणों की गिरफ्तारी की गई है। वहीं 4 घायल व्यक्ति अस्पताल में उपचाररत हैं एवं बाकी अन्य आरोपी फरार हैं जिनकी तलाश की जा रही हैं।

गिरफ्तार आरोपी: समीर उर्फ बाबु पिता साबीर हुसैन निवासी 25 हाट रोड़, गोलु उर्फ अफसार पिता शौकत हुसैन निवासी हाट की चौकी वेदव्यास कालोनी, माहिद उर्फ अप्पु पिता नासीर हुसैन निवासी सुभाष नगर, पीर मोहम्मद उर्फ ईम्मु पिता मान खां फकीर निवासी सुभाष नगर, रमजानी पिता खेराती निवासी वेदव्यास कालोनी !

फरार आरोपी:-अबरार, अंसार, आसीफ हुसैन, आमीन हुसैन, साबिर हुसैन एवं अन्य साथी !

सराहनीय भूमिका! आरोपियों को पकड़ने में निरीक्षक दिनेश कुमार भोजक थाना प्रभारी थाना स्टेशन रोड, उप-निरीक्षक आनंद बागवान, उप-निरीक्षक इरफान खान, उप-निरीक्षक शरीफ खान, उप-निरीक्षक मुबारिक शाह, हीरालाल चंदन, लक्ष्मण सिंह दायमा, मनीष यादव, राजु अमलियार, देवी सिंह मौर्य, राहुल मारू, बबलु मईड़ा, दिनेश धनगर, राकेश दांगी, संदीप कुमरे, भरत जाट, हर्षल शर्मा, राकेश निनामा, धीरेन्द्र गोखले की भूमिका रहीं।

शिवपुरी में बिजली के केबल की ओवरहीटिंग से धुंआ निकलने की घटना हुई जिसका थिंक गैस के पीएनजी से कोई संबंध नहीं

थिंक गैस की टीम ने धुंआ निकलने की घटना की जांच में स्थानीय अधिकारियों की मदद की

शिवपुरी, शिवपुरी में थिंक गैस की इमर्जेंसी टीम को टांगरापली रोड पर एक ड्रेनेज क्षेत्र से धुंआ निकलने के बारे में शिकायत मिली। टीम के घटनास्थल पर पहुंचने और जांच करने पर यह पुष्टि हुई कि घटनास्थल के आसपास थिंक गैस की कोई गैस पाइपलाइन नहीं है।

अन्य जनोपयोगी इकाइयों के अधिकारी, नगर पालिका, पुलिस और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने पुष्टि की कि एक बिजली के खंभे से बिजली लीक होने की वजह से यह धुंआ निकला। थिंक गैस सभी भागीदारों को यह स्पष्ट करना चाहेगी कि इस घटना के लिए वह किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं है।

यहां यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि थिंक गैस सुरक्षा के बहुत उच्च मानकों का पालन करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। एमडीपीई पाइपलाइनों को बिछाने सहित गैस वितरण नेटवर्क के विकास में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा तय नियमनों और अंतरराष्ट्रीय मानकों का कड़ाई से पालन किया जाता है। पाइपलाइन बिछाने की सभी गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाती है और नियामक निकाय द्वारा मान्य थर्ड पार्टी निरीक्षण एजेंसियों से इसका प्रमाण पत्र लिया जाता है। नेटवर्क के साथ रूट मार्कर स्थापित किए जाते हैं ताकि सभी बाहरी एजेंसियों को जमीन के नीचे डाली गई पाइपलाइन की जानकारी रहे और उन अनाधिकृत गतिविधियों से बचा जा सके जिनसे पाइपलाइन को नुकसान पहुंच सकता है। अत्याधुनिक स्कैडा सिस्टम से इस पाइपलाइन की चौबीसों घंटे और सातों दिन निगरानी की जाती है। थिंक गैस की टीम ने पारदर्शी तरीके से धुंआ निकलने की घटना की जांच में स्थानीय अधिकारियों की मदद की और इस घटना की जांच में अधिकारियों को हमारी तरफ से हर तरह का सहयोग जारी रहेगा। थिंक गैस प्राकृतिक गैस का सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी स्वास्थ्य, सुरक्षा, टिकाऊपन एवं पर्यावरण (एचएसएसई) नीति लोगों, परिसंपत्तियों, पर्यावरण एवं प्रतिष्ठा को शून्य क्षति सुनिश्चित करती है। हमने किसी भी दुर्घटना से निपटने के लिए अपने वर्ग में सर्वोत्तम सुरक्षा एवं प्रतिक्रिया व्यवस्था लागू की है और हम किसी आपात स्थिति से निपटने में पूरी तरह से सक्षम हैं।

फिंगरप्रिंट कार्यशाला आयोजित

सांध्य प्रकाश, विदिशा। 19 मई को पुलिस अधीक्षक विदिशा दीपक कुमार शुक्ला के आदेश अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे के मार्गदर्शन में जिला फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ निरीक्षक योगेंद्र साहू के नेतृत्व में पुलिस कंट्रोल रूम विदिशा में एक दिवसीय फिंगरप्रिंट कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के समस्त थानों एवं न्यायालय से कोलेटर/विवेचक एवं कोर्ट मोहरिरं सहित कुल 76 प्रशिक्षणार्थी सम्मिलित हुए। प्रशिक्षण के दौरान जिला फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ द्वारा सभी को आरोपियों के फिंगरप्रिंट स्लिप तैयार करना, अज्ञात मृतक के फिंगरप्रिंट स्लिप तैयार करना भारत शासन की बहुउद्देशीय परियोजना नेफिस के बारे में विस्तार से ब्रीफ किया गया। साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी को फिंगरप्रिंट /डीएनए फिंगरप्रिंट एवं घटना स्थल पर साक्ष्य संकलन के संबंध में महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए गए। वहीं जिला फिंगरप्रिंट टीम द्वारा प्रदेश में सर्वाधिक सफलता अर्जित करने के संबंध में टीम की सराहना की गई।

श्री द्वारकाधीश समाज कल्याण समिति विदिशा का निर्वाचन संपन्न

सांध्य प्रकाश, विदिशा। आम तौर पर किसी भी संस्था का पद पाने के लिए सदस्यों की होड़ लगती है और कम ही देखने को आता है कि सर्व सम्मति से पद विशेष पर व्यक्ति पर चुन लिया जाए, लेकिन यहां इससे भी और अधिक विशेष बात सामने आई कि द्वारिकाधीश समाज कल्याण समिति की मीटिंग में अध्यक्ष पद हेतु उदयपाल सिंह चंदेल को सर्व सम्मति से उस समय चुन लिया गया जबकि वह मीटिंग में उपस्थित न होकर शहर से बाहर प्रवास पर थे।

निर्वाचन अधिकारी कमलेश सेन के मार्गदर्शन में चुनाव प्रकिया संपन्न हुई। साथ ही पूर्व की कार्यकारिणी के सदस्यों का उनके द्वारा किए गए कार्यों एवं उनके मार्गदर्शन के लिए सम्मान किया गया। इसी के साथ सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी घोषित हुई।

जिसमें उदयपाल सिंह चंदेल अध्यक्ष, ओम प्रकाश शर्मा उपाध्यक्ष, रामानंद मिश्रा सचिव, राजकुमार सारस्वत कोषाध्यक्ष, धर्मेश पलिया सह सचिव, सदस्य मोहर सिंह कुशवाहा, राम नारायण विश्वकर्मा, आशीष मोहता, राधेश्याम सक्सेना, रमेश श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र दांगी, विष्णु प्रसाद शास्त्री, राम गोपाल शर्मा, वीर नारायण दुबे, राम सेवक शाक्य, ओम प्रकाश विश्वकर्मा, कृष्ण बिहारी शर्मा, संदीप तिवारी, रामेश्वर शर्मा, भगवान प्रसाद दुबे, सुरेंद्र भार्गव, मलखान सिंह कुर्मी, बाबूलाल मीणा इत्यादि सदस्य शामिल रहे। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने नवीन कार्यकारिणी के मनोनीत सदस्यों का हर फूल माला पहनकर बधाई दी है।

नारद जयंती पर हुई पत्रकारों की संगोष्ठी

सांध्य प्रकाश, विदिशा। विदिशा। प्रतिवर्ष मई माह में महर्षि नारद जी की जयंती कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसी उपलक्ष्य में शरद स्मृति न्यास विदिशा के द्वारा पत्रकारिता जगत से जुड़े महर्षि नारद जयंती पर पत्रकारों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस बार रविवार को पुरानी नगर पालिका के न्यू बसस्टैंड स्थित सभागार में महर्षि नारद जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विदिशा जिले के पत्रकार सम्मिलित हुए। वहीं भोपाल से आए वरिष्ठ पत्रकार शरद द्विवेदी चैनल हेड बंसल न्यूज मध्यप्रदेश/छत्तीसगढ़ मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विदिशा के अटल बिहारी वाजपयी मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. मनीष निगम और कार्यक्रम की अध्यक्षता शरद स्मृति न्यास के प्रमुख रामकिशोर अग्रवाल द्वारा की गई। विशेष अतिथि में मध्य भारत प्रांत के सह प्रचार प्रमुख अखिलेश श्रीवास्तव, प्रांत प्रचार आयाम टोली से डॉ. सुदीप शुक्ला, विभाग सह प्रचार प्रमुख प्रेम सिंह धाकड़, विदिशा प्रेस क्लब संघ अध्यक्ष सचिन तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महर्षि नारद जी मुनि को आदि पत्रकार मानते हुए अतिथियों द्वारा अपने विचार प्रकट किए गए। मुख्य वक्ता शरद द्विवेदी ने

वर्तमान की पत्रकारिता के बदलते परिवेश पर चिंता भी जाहिर करते हुए पत्रकारों को सीखने लायक बहुत सी बातों पर ध्यानाकर्षण किया। उन्होंने बताया की नारद जी ने अपने पत्रकारिता में संदेश या समाचार वाचन में कभी गलती नहीं की। पत्रकार बंधु भी इसका अनुपालन करें। पहले की पत्रकारिता और वर्तमान पत्रकारिता में हुए परिवर्तन पर भी प्रकाश डाला।

वहीं मुख्य वक्ताओं के साथ-साथ अखिलेश श्रीवास्तव, सचिन तिवारी, मनोज पांडे ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का मंच संचालन वीरेंद्र रघुवंशी प्रचार प्रमुख जिला विदिशा द्वारा किया गया। उक्त जानकारी रंजीत पाल सह प्रचार प्रमुख जिला विदिशा द्वारा दी गई।

सोशल मीडिया से

अब मध्य प्रदेश में वंदे भारत मेट्रो से सफर होगा खटाखट, खटाखट, खटाखट

भोपाल। वंदे भारत ट्रेनों के बाद अब मध्य प्रदेश के कई बड़े शहरों में वंदे भारत मेट्रो चलाने की तैयारी है। पहले चरण में भोपाल से तीन रूट यानी बैतूल, सागर और शाजापुर पर वंदे भारत मेट्रो ट्रेन चलाई जाएगी। अगले महीने जून में इनका शेड्यूल और टाइमिंग जारी किया जाएगा। वहीं वंदे भारत मेट्रो चलाने का मुख्य उद्देश्य अपने शहर से 200 किमी तक की दूरी वाले शहरों में जाकर नौकरी, बिजनेस करने वालों की जरूरत के अलावा लंबी दूरी की ट्रेनों का लोड कम करना है।

भोपाल से तीन रूट पर चलाई जाएगी वंदे भारत मेट्रो : जानकारी के मुताबिक सबसे पहले जरूरत वाले 200 किमी तक के रेलवे स्टेशनों को पहले चरण में कवर किया जाएगा। भोपाल से होशंगाबाद-इटारसी होकर बैतूल पहला रूट हो सकता है। इसके अलावा भोपाल से बीना होकर सागर और भोपाल से सीहोर व शुजालपुर होकर शाजापुर तक वंदे मेट्रो चलाई जाएगी। हालांकि बाद में इन रूट पर बदलाव भी किया जा सकता है।

वंदे भारत मेट्रो में रहेंगे 8-9 कोच

रेल मंत्रालय ने हर दिन आने जाने वाले यात्रियों की जरूरत को देखते हुए 8-10 कोच की वंदे भारत मेट्रो ट्रेनें चलाने का ऐलान किया था। पहले चरण में सिर्फ भोपाल, जबलपुर व रतलाम मंडलों ने कुछ रूट तय कर दिए हैं। बाद में इसे बढ़ाया जा सकता है।

नहीं रहे भारत के आइसक्रीम मैन : 400 करोड़ के साम्राज्य के मालिक रघुनंदन श्रीनिवास कामथ का 70 साल की उम्र में निधन

दुनियाभर में मशहूर नैचुरल्स आइसक्रीम के संस्थापक रघुनंदन श्रीनिवास कामथ का 70 साल की उम्र में निधन हो गया है। साधारण परिवार में जन्मे रघुनंदन कामथ ने अपनी मेहनत और लगन से 400 करोड़ रुपये का विशाल कारोबारी साम्राज्य खड़ा किया था। देश में उन्हें प्यार से ÷भारत के आइसक्रीम मैन÷ के नाम से जाना जाता था।

कर्नाटक के मंगलुरु में फल व्यापारी के परिवार में जन्मे रघुनंदन कामथ ने छोटी उम्र से ही अपने पिता के व्यवसाय में मदद करनी शुरू कर दी थी। फल बेचने के दौरान उन्होंने फलों की गहरी समझ विकसित की, जो बाद में उनके आइसक्रीम व्यवसाय के लिए बहुत उपयोगी साबित हुई। 14 साल की उम्र में, वे मुंबई चले गए और अपने भाई के रेस्तरां में काम करने लगे।

नैचुरल्स आइसक्रीम की स्थापना और सफलता: साल 1984 में, रघुनंदन कामथ ने मुंबई में 'नैचुरल्स' नाम से अपनी पहली आइसक्रीम दुकान खोली। ताज़े फल और प्राकृतिक सामग्री से बनी उनकी आइसक्रीम ने जल्द ही लोगों का दिल जीत लिया। धीरे-धीरे, उन्होंने पूरे भारत में अपनी दुकानें खोलीं और नैचुरल्स आइसक्रीम देश का सबसे लोकप्रिय आइसक्रीम ब्रांड बन गया।

रघुनंदन कामथ-प्रेरणा का स्रोत

रघुनंदन कामथ न केवल एक सफल उद्यमी थे, बल्कि वे समाज के लिए भी प्रेरणा थे। उन्होंने हमेशा सादगी से जीवन जीने और दूसरों की मदद करने पर ज़ोर दिया। उनका निधन निश्चित रूप से भारत के व्यापार जगत और समाज के लिए एक बड़ी क्षति है।

सेलविन ट्रेडर्स लिमिटेड करेगी पटेल कंटेनर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में रणनीतिक निवेश

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद स्थित सेलविन ट्रेडर्स लिमिटेड के निदेशक मंडल ने पटेल कंटेनर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में रणनीतिक निवेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कंपनी पटेल कंटेनर में 36 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी, जिसे अगले दो वर्षों में 51 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है। सेलविन ट्रेडर्स के निवेश का उपयोग गुजरात के भावनगर जिले में लॉजिस्टिक कंटेनरों के लिए एक नई विनिर्माण इकाई की स्थापना में सहायता के लिए किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि पटेल कंटेनर ने वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट, 2024 में गुजरात के भावनगर जिले में लॉजिस्टिक कंटेनरों की सुविधा स्थापित करने के लिए भावनगर में विनिर्माण सुविधा के लिए 45 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए एक समझौता किया था। इस परियोजना से 100 लोगों के लिए रोजगार पैदा होने का अनुमान है और वर्ष 2025 में परियोजना शुरू होने की उम्मीद है। इस इकाई के लिए भावनगर रणनीतिक लाभ प्रदान करता है, जिसमें प्रमुख बंदरगाहों और व्यापार मार्गों से निकटता शामिल है। वित्त वर्ष 2024 के दौरान, कंपनी ने अपने व्यवसाय संचालन में बदलाव किया एवं वित्त वर्ष 2023 में अर्जित 39.60 करोड़ रुपए के मुकाबले में 56 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 61.7 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया है।सेलविन ट्रेडर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री वेदांत पंचाल ने कहा कि पटेल कंटेनर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में रणनीतिक निवेश करने के लिए एमओयू 15 मई 2024 को किया गया था। यह उद्यम न केवल सेलविन ट्रेडर्स के पोर्टफोलियो में विविधता लाता है, बल्कि इसे लॉजिस्टिक एवं मेटल उद्योग में लाभप्रद उद्योग के रूप से उच्च स्थान पर रखता है।

ट्रूटॉक्स दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं के बीच संपर्क स्थापित करने का प्लैटफॉर्म

बेंगलूरु, एजेंसी। दुनिया का एक प्रमुख विश्वस्तरीय दूरसंचार मंच, ट्रूकॉलर, दुनिया भर के लोगों से जुड़ने और संबद्ध होने के लिए ट्रूटॉक समुदाय की पेशकश की घोषणा करता है। यह समुदाय ट्रूकॉलर के उपयोगकर्ताओं को एक-दूसरे के साथ बात-चीत करने, फीडबैक प्रदान करने, नई सुविधाओं के लिए सुझाव डालने, नए से नए घोटालों के बारे में सूचित रहने, अपनी समस्याओं के लिए तुरंत सहयोग प्राप्त करने, ट्रूकॉलर के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने और अपने व्यक्तिगत अनुभवों के बारे में बताने के लिए एक प्लैटफॉर्म के रूप में भी कार्य करता है। कोई भी व्यक्ति एक वैध ईमेल एड्रेस और प्रदर्शित किए जाने वाले नाम के साथ साइन अप करके इस समुदाय का सदस्य बन सकता है। ट्रूटॉक से जुड़ने के लिए यह आवश्यक नहीं किआप ट्रूकॉलर के उपयोगकर्ता हों, यद्यपि हमारे 383 मिलियन से अधिक ट्रूकॉलर उपयोगकर्ता ऐप के भीतर एक शॉर्टकट से तुरंत ट्रूटॉक तक पहुँच प्राप्त कर सकते हैं। अन्य बातों के अतिरिक्त, समुदाय से संबंधित विषय-सामग्री को इस ब्रांड की प्रस्तुतियों के बारे में जागरूकता फैलाने, अनचाहे दूर-संचार से स्वयं को बचाने के सबसे अच्छे तरीके के बारे में बात करने या आपको कई ट्रूकॉलर के अधिकारियों से सीधे जोड़ने के लिए भी डिज़ाइन किया गया है। इस समुदाय को तैयार और विकसित करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति के तौर पर, ट्रूकॉलर के कम्युनिटी मैनेजर, रोहित घालससी ने कहा-हम कुछ हज़ार सदस्यों के साथ ट्रूटॉक का परीक्षण करते रहे हैं और मैं बात-चीत के पहले से ही मौजूद स्तर को देख कर रोमांचित हूँ। हमारा उद्देश्य अपने उपयोगकर्ताओं के साथ अधिक प्रभावशाली ढंग से संबद्ध होने, अपने मौजूदा उत्पाद को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी एकत्रित करना, नए से नए घोटालों और टेक्नोलॉजी में होने वाले नए चलनों के बारे में जानकारी के आदान-प्रदान के लिए एक मंच स्थापित करना है।

गोदरेज लॉक्स को सात असाधारण उत्पादों के लिए इंडिया डिज़ाइन मार्क अवार्ड से सम्मानित किया

मुंबई , एजेंसी। गोदरेज लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल फिटिंग्स एंड सिस्टम्स, गोदरेज एंड बॉयस की एक व्यावसायिक इकाई, नवीन सुरक्षा समाधानों में एक अग्रणी नाम है। कंपनी को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि उसके सात उत्पादों को प्रतिष्ठित इंडिया डिज़ाइन मार्क अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि डिजाइन, कार्यक्षमता और नवाचार में उत्कृष्टता के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, गोदरेज लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल फिटिंग्स एंड सिस्टम्स के बिजनेस हेड, श्याम मोटवानी ने कहा, गोदरेज लॉक्स में, हम असाधारण डिजाइन की परिवर्तनकारी शक्ति (ट्रांसफॉर्मेटिव पावर) में दृढ़ता से विश्वास करते हैं। यह सिर्फ कलात्मकता के बारे में नहीं है; यह इस बारे में है कि डिज़ाइन कैसे लोगों के रोजमर्रा जीवन के अनुभवों को बढ़ाता है और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उनके जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। नवाचार के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता हमारे हर काम में अंतर्निहित है, जो हमारे ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों की गहरी समझ से प्रेरित है। गोदरेज लॉक्स में हमारी अत्याधुनिक इनहाउस डिज़ाइन लैब द्वारा डिज़ाइन पर मजबूती से ध्यान दिया जाता है। यह प्रयोगशाला रचनात्मकता और मौलिकता के केंद्र के रूप में कार्य करती है, कुशल डिजाइनरों के बीच ऐसे उत्पादों को तैयार करने के लिए सहयोग को बढ़ावा देती है, जो कलात्मक अपील के साथ कार्यक्षमता को सहजता से मिश्रित करते हैं। साल-दर-साल प्रतिष्ठित इंडिया डिज़ाइन मार्क अवार्ड जीतना उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति हमारे अटूट समर्पण का ही प्रमाण है। यह मान्यता हमें सीमाओं को और भी आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है, क्योंकि हम ऐसे उत्पाद बनाना जारी रखते हैं, जो अपेक्षाओं से परे हों और हमारे ग्राहकों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने में सक्षम होते हैं। हमारे मान्यता प्राप्त उत्पादों में शामिल हैं- मुख्य दरवाज़ा लॉक सेंटूर, मोर्टिज़ हैंडल एनईएच 19 और एनईएच 20 और सुपर कॉर्नर सॉल्यूशन, सुपर स्विंग कॉर्नर, सुपर स्लाइड आउट पेंट्री और परफेक्ट ग्रेन स्टोरेज जैसी नवीन किचन फिटिंग्स। इनमें से प्रत्येक उत्पाद ऐसे समाधान प्रदान करने की ब्रांड की प्रतिबद्धता का उदाहरण है, जो न केवल ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं, बल्कि उनसे भी बेहतर होते हैं।

फ्यूचर एंड ऑप्शंस ट्रेडिंग ने बढ़ाई सरकार की टेंशन !

शेयर बाजार में निवेशकों का रुझान फ्यूचर एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) ट्रेडिंग की ओर लगातार बढ़ रहा है। इस ट्रेडिंग में हाई रिस्क होने के बावजूद ज्यादातर निवेशक अपनी सेविंग्स के पैसे भी दांव पर लगा दे रहे हैं। सेबी के आंकड़े बताते हैं कि इसका नुकसान हर 10 में से 9 निवेशक को उठाना पड़ रहा है। ऐसे में अब सरकार की ओर से निवेशकों को बार-बार चेताया जा रहा है। हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक कार्यक्रम में लोगों को इस ट्रेडिंग को लेकर आगाह किया था। अब मुख्य आर्थिक सलाहकार सीईए वी अनंत नागेश्वरन ने भी लोगों को बचत के पैसे निवेश करने से बचने की सलाह दी है।

नागेश्वरन ने कहा कि जब भी वित्तीय क्षेत्र का विकास, राष्ट्रीय विकास से पहले हुआ है, तो ऐसे देशों के लिए नतीजे अच्छे नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि एशियाई संकट 1997-98 इसका एक बहुत महत्वपूर्ण उदाहरण है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने आगे कहा- जब हम इस तथ्य पर गर्व करते हैं कि हमारे पास फ्यूचर एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) में दुनिया की सबसे बड़ी ट्रेडिंग वॉल्यूम है, तो हमें खुद से पूछने की जरूरत है कि यह प्रगति का संकेत है या चिंता का संकेत है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पूंजी बाजार उन क्षेत्रों में बढ़े, जहां हम वास्तव में भारतीय घरेलू बचत का उपयोग उत्पादक उद्देश्यों के लिए कर सकते हैं। नागेश्वरन ने कहा कि फ्यूचर एंड ऑप्शंस में छोटी राशि के निवेश पर हमें पुनर्विचार करने की जरूरत है, क्योंकि इसके लिए जरूरी वित्तीय साक्षरता बहुत अलग है। हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग सेगमेंट में रिटेल कारोबार में कोई भी बेलगाम तेजी निवेशकों की भावनाओं और परिवार के स्तर पर जमा-पूंजी की समस्याएं पैदा कर सकती है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में शुद्ध घरेलू बचत तीन वर्षों में नौ लाख करोड़ रुपये घटकर 14.16 लाख करोड़ रुपये रह गई है। इस दौरान शेयर बाजार और म्यूचुअल फंडों में निवेश तेजी से बढ़ा है।

कपास की कीमतों में गिरावट का दौर जारी, भाव बढ़ने की आस में किसान बेचने से कर रहे परहेज

मुंबई , एजेंसी। दो महीने से कपास की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। दूसरी ओर, किसानों को ऐसा लग रहा है कि इस वर्ष कम उत्पादन के कारण कपास की कीमतों तेजी अवश्य आएगी। किसानों के इसी अनुमान की वजह से मौजूदा समय में मंडियों में कपास की आवक भी घट रही है।

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) के आंकड़ों के अनुसार कॉटन (कपास शंकर 6) की कीमतों में पिछले दो महीनों से लगभग 8 प्रतिशत की गिरावट आई है। कपास की कीमतें गिरकर 16,057 रुपये प्रति क्विंटल हो गई हैं। जबकि दो महीने पहले 15 मार्च 2024 को इसी कपास के लिए 17,434 रुपये प्रति क्विंटल की बोली लग रही थी। वहीं, एक साल पहले शंकर 6 किस्म के कपास का भाव 16,759 रुपये प्रति क्विंटल था।

जानकारों के अनुसार यदि कपास के भाव में गिरावट इसी तरह जारी रही तो इससे किसानों को मुश्किल हो सकती है। चाहे वे इसे स्टोर करें या बेच दें पर उनको परेशानी झेलनी पड़ सकती है। महाराष्ट्र की अधिकतर मंडियों में कपास का भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ज्यादा है उसके बावजूद किसान और अधिक दाम मिलने की आस में बैठे हैं। इससे मंडियों में कपास की आवक घट रही है।

कॉटन एसोसिएशन के नए अनुमान के मुताबिक अक्टूबर-मार्च के दौरान कॉटन निर्यात 137 प्रतिशत बढ़कर 18 लाख गांठ पहुंच गया था। जबकि पिछले साल की समान अवधि में निर्यात 7.59 लाख गांठ का रहा था। सीएआई के नए अनुमान के अनुसार आने वाले समय में कपास की आवक में और कमी रहने की आशंका है क्योंकि साल 2023-24 में 323.1 लाख गांठ के उत्पादन में से लगभग 280.6 लाख गांठ की आवक हो चुकी है।

वायदा बाजार में भी कॉटन के भाव में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है। एसएमसी कमोडिटी रिसर्च के अनुसार फिलहाल एमसीएक्स पर कपास 56,000-57,500 प्रति कैंडी (355 किलोग्राम की एक कैंडी होती है) के भाव कारोबार करता दिख रहा है। दूसरी ओर, कॉटन (अप्रैल 2025) वायदा की कीमतें 1,530-1,580 के दायरे में कारोबार रहने की आशंका है।

महाराष्ट्र की मंडियों में कॉटन के भाव में लगातार गिरावट जारी है। हालांकि इस साल कपास के कम उत्पादन के अनुमान को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि इसकी कीमतें 2021 और 2022 की तरह 9,000 से 12,000 रुपये प्रति क्विंटल तक जा सकती हैं।

कपास की कीमतों पर क्या है वैश्विक अनुमान

एक अगस्त से शुरू होने वाले 2024-25 सीजन में ब्राजील और तुर्की के साथ अमेरिका में कॉटन की फसल अधिक होने की उम्मीद से वैश्विक कॉटन की कीमते घट रही हैं। फिच सॉल्युशन रिसर्च एजेंसी बीएमआई का कहना है कि वैश्विक कॉटन बाजार में मंदी की भावना काफी हद तक 2024-25 में उत्पादन में सुधार विशेषकर अमेरिका में अधिक उत्पादन की उम्मीद के कारण है।

वहीं, अमेरिकी कृषि विभाग यूएसडीए के अनुसार 2024-25 सीजन में अमेरिका में कॉटन का उत्पादन बढ़कर 160 लाख गांठ (204.9 गांठ 170) किलोग्राम होने का अनुमान है। अगले सीजन में वैश्विक उत्पाद 11.90 करोड़ अमेरिकी गांठ (217.72 किलोग्राम) होने का अनुमान है।

दिल्ली-मुंबई और बंगलूरू में क्या है सुंदर पिचई का पसंदीदा खाना, गूगल सीईओ ने खास अंदाज में बताया

नई दिल्ली, एजेंसी। गूगल के सीईओ सुंदर पिचई ने एओस कंपनी के संस्थापक वरुण मैया के साथ एक साक्षात्कार में अपने निजी जीवन की एक झलक पेश की। इस साक्षात्कार में उन्होंने अपने पसंदीदा भारतीय व्यंजन का भी खुलासा किया। उनसे (पिचई) जब उनके पसंदीदा भारतीय भोजन के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने बड़े ही खास अंदाज में भारत के तीन मेट्रो सिटी दिल्ली, मुंबई और बंगलूरू से एक-एक व्यंजन का नाम बताया।

सुंदर पिचई ने बताया अपना पसंदीदा खाना

सुंदर पिचई ने बताया कि जब वह बंगलूरू में होते हैं तो उन्हें डोसा खाना बहुत पसंद है। दिल्ली में उन्हें छोले भटूरे खाना पसंद है और मुंबई में उनका पसंदीदा व्यंजन पाव-भाजी है। उन्होंने कहा, जब यह बंगलूरू होगा, तो मुझे यहां डोसा मिलेगा। यह मेरा पसंदीदा व्यंजन है। अगर यह दिल्ली है तो मुझे यहां के छोले बटूरे पसंद है। मुंबई में मैं पाव-भाजी के साथ जाना चाहूंगा।

इस साक्षात्कार में बॉलीवुड की फिल्म 3-इडियट्स पर भी बात की गई। सुंदर पिचई ने बताया कि असली सफलता चीजों की गहरी समझ रखने में होती है। इसे समझाने के लिए उन्होंने फिल्म के मोटरसाइकिल दृश्य का संदर्भ दिया। प्रतिस्पर्धी परीक्षा मानसिकता को लेकर पूछे गए सवाल पर पिचई ने कहा, मुझे लगता है कि असली सफलता चीजों को गहराई तक समझने से मिलती है। उन्होंने यह विशेष रूप से एफएएएनजी के आवेदकों के लिए कहा। बता दें कि एफएएएनजी अमेरिकी तकनीक दिग्गजों का एक संक्षिप्त शब्द है, इसका मतलब फेसबुक, अमेजन, एपल नेटफ्लिक्स और गूगल है।

3-इडियट्स का जिक्र करते हुए पिचई ने कहा, आपको मालूम होगा कि फिल्म में एक दृश्य है, जहां वे आमिर खान से मोटर की परिभाषा पूछते हैं। इसका एक संस्करण है, जिसमें बताया गया है कि मोटर क्या है। इसके अलावा एक और संस्करण है, जिसमें आप वास्तव में समझते हैं कि मोटर क्या है। सुंदर पिचई जैसी शख्सियत का इस फिल्म के बारे में जिक्र करना, वह भी रिलीज के लगभग 15 साल बाद। यह साबित करता है कि फिल्म का लोगों के ऊपर काफी गहरा असर है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर खुशखबरी, 2.56 अरब डॉलर की हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इस समय विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर भारत को खुशखबरी मिल रही है। बीते 10 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.561 अरब डॉलर की शानदार बढ़ोतरी हुई। अब अपना भंडार 644.15 अरब डॉलर का हो गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि 10 मई को समाप्त सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में काफी बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान भंडार 2.561 अरब डॉलर से बढ़कर 644.151 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.67 अरब डॉलर बढ़कर 641.59 अरब डॉलर रहा था। इसके पहले लगातार तीन सप्ताह इसमें गिरावट आई थी। पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में देश का मुद्रा भंडार 648.56 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।वहीं, केंद्रीय बैंक के साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान विदेशी पूंजी भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा भंडार 1.488 अरब डॉलर से बढ़कर 565.648 अरब डॉलर हो गया।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 10 मई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा भंडार 1.49 अरब डॉलर बढ़कर 565.65 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 1.07 अरब डॉलर बढ़कर 55.95 अरब डॉलर हो गया।

विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 50 लाख डॉलर बढ़कर 18.06 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित जमा 40 लाख डॉलर घटकर 4.495 अरब डॉलर रह गया।

मिस एंड मिसेज सेंट्रल इंडिया सीजन 2 का पोस्टर हुआ लॉन्च

मिस्टर ,मिस एंड मिसेज मध्यप्रदेश पीजेंट के विनर्स की प्रेसवार्ता

शादी के बाद महिलाएं अक्सर घर गृहस्थी और कामकाज में व्यस्त हो जाती है और जीवन की आपाधापी में उनके सपने कहीं खो जाते हैं। ऐसे ही कुछ अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए मिस्टर मिस एंड मिसेज मध्यप्रदेश पीजेंट का आयोजन किया गया था। शनिवार को इस पीजेंट के विनर्स और टाइटल होल्डर्स को लेकर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस मौके पर आयोजक फरहा अनवर ने बताया कि हमने मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में इस पीजेंट के लिए ऑडिशन किए थे ताकि लोगों में छुपे टैलेंट को निकाला जा सके। साथी उन्होंने कहा कि इस पीजेंट के विनर्स को सेंट्रल इंडिया सीजन 2 में पार्टिसिपेट करने का मौका मिलेगा। वही पीजेंट के विजेताओं में इस शो को लेकर काफी उत्साह दिखा उन्होंने कहा कि यह एक बहुत अच्छा प्लेटफार्म है जिससे हमारी फिजिकल और मेंटल फिजिकल लेवल पर ग्रोथ होती है। पत्रकार में बताया कि मिस्टर मिस मिसेज मध्य प्रदेश के विनर्स है एलिट श्रेणी में लीना रायसिंघानी विजेता , रिया खुराना पहली रनर अप दूसरी रनर अप उत्तमा निगम गोल्ड श्रेणी में हिमानी सिंह (विजेता) अभा पंचाल (पहली रनर अप) रंजना सिंह (दूसरी रनर अप) सिल्वर श्रेणी- राधिका सिन्हा (विजेता)

गुंजन दांग (पहली रनर अप)

शुभांगी खरे (दूसरी रनर अप)

मिस श्रेणी- भारती पवार (विजेता) वसुधा जेठा (पहली रनर अप) साक्षी सिन्हा (दूसरी रनर अप) मिस्टर श्रेणी-

अक्षय खरे (विजेता)

यश अमलानी (प्रथम रनर अप)

संदीप विश्वकर्मा (द्वितीय रनर अप)ब्यूटी विथ ए पर्पस- सोनल सिन्हा, रिया खुराना और मीनाक्षी गुलवानी

मिस इंडियन प्रिंसेस- आशना हार्डा मिसेज़ इंटरनेशनल क्वीन ऑफ इंडिया सिल्वर- आयुषी सिंह मिसेज़ इंटरनेशनल क्वीन ऑफ इंडिया- अभा पंचाल

मिसेज़ इंडियन क्वीन- रूबी सिंह

मिसेज़ एशिया एंड ओसियानिया- रूपाली श्रीवास्तव यह रहे । इस मौके पर मिस एंड मिसेज सेंट्रल इंडिया सीजन 2 का पोस्टर लॉन्च किया गया।

आईटीआई में प्रवेश ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन अंतिम तिथि आज

छिंदवाड़ा। शासकीय आदिवासी महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य ने बताया कि संस्था में प्रवेश सत्र 2024 में प्रवेश के लिये ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन का कार्य 01 मई 2024 से प्रारंभ हो चुका है, जिसमें 20 मई 2024 तक डी.एस.डी.पोर्टल (dsd.mp.gov.in) पर ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन किये जा सकते हैं। इसके बाद पोर्टल पर ही समय-समय पर त्रुटी सुधार, च्वाईस फिलिंग, चयन सूची का प्रकाशन तथा प्रवेश दिनांक इत्यादि के संबंध में सूचना जारी की जायेगी। अधिक जानकारी के लिये प्रवेश प्रभारी के मोबाईल नम्बर-7354292696 पर संपर्क किया जा सकता है।

भगवान बुद्ध जयंती समारोह 23 मई को

छिंदवाड़ा। भारतीय बौद्ध महासभा प्रदेश उपाध्यक्ष एड रमेश लोखंडे द्वारा बताया कि डॉ बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा पंजीकृत संगठन भारतीय बौद्ध महासभा अनुसांगिक संगठन त्रिरत्न जन कल्याण समिति, सुजाता महिला संघ के संयुक्त तत्वाधान में तथागत भगवान बुद्ध जयंती समारोह का आयोजन स्थानीय डॉ आंबेडकर तिराहे पर 23 मई 2024 को प्रातः 10 बजे से भव्य रूप में मनाए जाने का निर्णय लिया गया है इस अवसर पर भारतीय बौद्ध महासभा भगवान बुद्ध जयंती समारोह पर सर्वप्रथम तथागत भगवान बुद्ध एवं डॉ बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण पंचशील ध्वजारोहण सामूहिक बुद्ध वंदना एवं आमंत्रित अतिथियों के उदबोधन होंगे डॉ आंबेडकर लाइब्रेरी भवन चन्दननगर में त्रिरत्न जनकल्याण समिति एवं सुजाता महिला संघ द्वारा बुद्ध जयंती पर भगवान बुद्ध के प्रसिद्ध ग्रंथ धम्मपद का प्रातः 8 बजे से वाचन होगा। भारतीय बौद्ध महासभा संपूर्ण प्रदेश, जिले, तहसील एवं ग्रामीण स्तर पर भगवान बुद्ध जयंती समारोह का आयोजन करेंगी।

छिंदवाड़ा के अस्पताल की छत पर संदिग्ध अवस्था में पकडाया हेल्प डेस्क का कर्मचारी

छिंदवाड़ा। मरीजों को चूहे कतरने का मामला थमा नहीं कि एक और नया कारनामा जिला अस्पताल में सामने आया जब एक महीने पुराने वीडियों वायरल हो गया जो काफी सुर्खियों में है। इस बार मामला शर्मसार करने वाला है। दरअसल, अस्पताल का एक कर्मचारी जिला अस्पताल की छत पर अपनी एक महिला मित्र के साथ घोर आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया। अस्पताल की एक आया ने उक्त कर्मचारी को छत पर पकडाया वह भी ऐसे स्थान पर जहाँ जाना पूरी तरह से प्रतिबंधित है। खबर है कि यह वीडियो करीब एक माह पुराना है और अस्पताल के जिम्मेदार अधिकारियों को इस कांड की पूरी जानकारी दी गई। उक्त कर्मचारी को काम से निकाल भी दिया गया था लेकिन चर्चा है कि जिला अस्पताल के अधिकारियों के साथ हुए भारी लेन-देन के बाद उसे काम पर वापस रख लिया गया है। उक्त युवक जिला अस्पताल में कार्य करने वाली एजेंसी का कर्मचारी बताया जाता है और हेल्प डेस्क पर कार्यरत है लेकिन अफसरों की मेहरबानी से सुपरवाइजर बनकर काम कर रहा है। इसके चलते ही वह अस्पताल की छत पर महिला मित्र को भी ले गया। इस संबंध में युवक का कहना है" कि मैं कुछ समस्या को सुलझाने वहाँ गया था लेकिन मेरा वीडियो बनाकर मुझे ब्लैक मेल करने का प्रयास किया गया उक्त युवती मेरी मंगेतर है।

समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की अवधि में पुनः वृध्दि

छिंदवाड़ा। म.प्र. खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की अवधि में पुनःवृध्दि की गई है पूर्व में यह अवधि 20 मई 2024 तक बढ़ाई गई थी। प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय पर शेष रहे कृषकों को समर्थन मूल्य के अंतर्गत गेहूं विक्रय का अवसर प्रदान कराने के लिये पुनःउपार्जन की अवधि 31 मई 2024 तक बढ़ाई गई है। इस संबंध में कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह ने जिला आपूर्ति विभाग सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये हैं।

वृद्धजन स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आज

छिंदवाड़ा। कलेक्टर शिलेंद्र सिंह के दिशा निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर जी सी चौरसिया के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम अंतर्गत जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्तर पर वृद्धजनों हेतु स्वास्थ्य शिविर एवं अन्य पर गतिविधियां का आयोजन 20 मई 2024 से किया जाएगा जिसमें आने वाले हितग्राहियों का एनसीडी कार्यक्रम के अंतर्गत शुगर बीपी एवं कैंसर की स्क्रीनिंग की जाएगी, मोतियाबिंद हेतु आंखों का परीक्षण किया जाएगा, मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं दी जाएगी, बधिरता हेतु स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा, एल्डर बीसीजी वैक्सीनेशन इत्यादि कार्य मेडिसिन चिकित्सक, चिकित्सा अधिकारी द्वारा किया जाएगा साथ ही साथ जिला चिकित्सालय, सिविल हॉस्पिटल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फिजियोथैरेपी यूनिट की स्थापना की गई है जिसमें निजी फिजियोथैरेपिस्ट के माध्यम से फिजियोथैरेपी की सेवाएं दी जाएगी। ग्राम स्तर पर आशाओं के माध्यम से अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर कर सी एच ओ एवं ए एन एम के द्वारा अधिक से अधिक हितग्राहियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएगी।

सामाजिक कार्यकर्ता तुलसाआई गोंडाने का निधन

छिंदवाड़ा। सुभाष गोंडाने एवं सतीश गोंडाने की माताजी डॉ.अम्बेडकर समता विकास समिति की पूर्व अध्यक्ष भारतीय बौद्ध महासभा की जिला उपाध्यक्ष, सामाजिक,धार्मिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाती रही आयुष्मती तुलसाआई गोंडाने का हृदयगति रुकने से निधन हुआ। उनका अंतिम संस्कार रविवार को पातालेश्वर मोक्षधाम में नाते रिश्तेदारों,सामाजिक, धार्मिक संगठनों से जुडे एवं कर्मचारी अधिकारी वर्ग, जनसमुदाय की उपस्थिति में किया गया।

जमीनी कार्यकर्ताओं ने भरपूर मेहनत की परिणाम कांग्रेस के पक्ष में आयेगाः आक्टे

देश और पूरी भाजपा की निगाह हमारे संसदीय क्षेत्र पर हैः नकुलनाथ

छिंदवाड़ा। कांग्रेस के समस्त सच्चे व निष्ठावान पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लायेगी। निश्चित ही आप सभी के अथक प्रयासों व लगन से हमें बड़ी सफलता प्राप्त होगी और इसके पहले हकदार आप लोग हैं। विधानसभा चुनाव के पूर्व से प्रत्येक पदाधिकारी व कार्यकर्तागण निरंतर चुनाव कार्य में जुटे हैं। इस लगन व मेहनत का सार्थक परिणाम चार जून को प्राप्त होगा। उक्त उदगार आज जिले के युवा सांसद श्री नकुलनाथ ने रानी की कोठी में आयोजित मतगणना अभिकर्ताओं व कांग्रेस पदाधिकारियों की आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में व्यक्त किये।सांसद नकुलनाथ ने आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए सर्वप्रथम उपस्थित कांग्रेसजन को हृदय से धन्यवाद देते हुए कहा कि छिन्दवाड़ा के इतिहास में ऐसा चुनाव नहीं हुआ। विषम परिस्थितियों में भी कार्यकर्ता पूरे समय मेरे व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जी के साथ कांधे से कांधा मिलाकर चलें। आप लोग अक्टूबर से चुनाव कार्य में पूरी मेहनत से लगे रहे। मेरा आप सभी से आग्रह है कि 4 जून को भी समय से पहले मतगणना स्थल पहुंचकर अपनी जगह सुनिश्चित कर अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से पूरी करें। सांसद श्री नाथ ने विधानसभावार नियुक्त किये गए एआरओ की जानकारी दी। पूरे देश और पूरी भाजपा की निगाह छिन्दवाड़ा पर है। पूरे देशभर में सबसे अधिक वोटिंग छिन्दवाड़ा में हुई है।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा 19 अप्रैल को हुए मतदान के सुखद परिणाम 4 जून को आएंगे। इस बार जमीनी कार्यकर्ताओं ने भरपूर मेहनत की जिसके बल पर हमारी भारी मतों से जीत होगी।

आने वाले समय में कांग्रेस की नींव को मजबूत करने का लक्ष्य लेकर कार्य करें। 4 जून को हम पूरी ताकत के साथ मतगणना स्थल व अपने निर्धारित कार्य क्षेत्रों में डटे रहें। आयोजित बैठक में आशीष त्रिपाठी ने मतगणना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा करते हुये कहा कि सातों विधानसभा के अलग-अलग कक्ष की जानकारी तैयार है। विधानसभावार मतगणना अभिकर्ताओं की संख्या, बूथ क्रमांक सहित अन्य जानकारी से संलग्न पत्रक के सम्बंध में विस्तार से जानकारी दी। ईवीएम लॉक है या नहीं सहित अन्य मतगणना से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर उपस्थित मतगणना अभिकताओं का ध्यानाकाषर्ण कराया।

कांग्रेस से भाजपा में आये लोगों का चुनाव परिणाम के बाद तय होगा भविष्य

छिंदवाड़ा। चुनाव परिणाम 4 जून को आयेगा, कांग्रेस उत्साहित है, कांग्रेस से भाजपा में आये नेताओं की चिन्ता बढते जा रही है, यह सही है कि प्रदेश में भाजपा एवं देश में नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनने से कोई रोक नहीं सकता। भाजपा जीती तो निश्चित ही कांग्रेस से भाजपा में लोगों श्रेय मिलेगा, कांग्रेस जीती तो संगठन में फेरबदल होगा, जिससे इन

ये थे उपस्थित

आयोजित बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद तिवारी, पांढुर्ना कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेश झलके, विधानसभा प्रभारी सुनील जायसवाल, विधायक सुजीत चौधरी, विजय चौरे, निलेश उइके, महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती किरण चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुन्हार,निगम अध्यक्ष सोनू मागो, शहर कांग्रेस अध्यक्ष पप्पू यादव, गुरूचरण खरे व अशोक तिवारी सहित कांग्रेस के समस्त मोर्चा व संगठनों के जिलाध्यक्ष उपस्थित रहे।

पत्नी की हत्या कर खुद भी फांसी पर झूला

आर्थिक तंगी से था परेशान

छिंदवाड़ा। जिले के जुन्नारदेव थाना क्षेत्र में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां के ग्राम उमरिया फड़ाली में एक 40 वर्षीय युवक ने आर्थिक तंगी से तंग आकर हुए विवाद के बाद अपनी पत्नी की हत्या कर दी और खुद भी फांसी के फंदे पर झूल गया। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शव बरामद कर लिए हैं। उमरिया फड़ाली निवासी मानिक झासवंशी उम्र लगभग 40 साल और उसकी पत्नी ममता झासवांशी जिसकी उम्र लगभग 35 साल बताई जा रही है। दोनों का परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था और अक्सर इस बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद होते थे। इसी बात को लेकर शनिवार की रात को भी पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ। विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि आरोपी पति मानिक ने मसाला पीसने के लिए उपयोग में आने वाले पत्थर से पत्नी पर हमला कर दिया। जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद आरोपी भी घर से बाहर निकाला और एक पेड़ से फांसी लगाकर अपनी ईह लीला समाप्त कर ली। इस घटना की सूचना मिलने के बाद जुन्नारदेव पुलिस मौके पर पहुंची है जहां दंपति के शव बरामद किए गए हैं। पुलिस क्षेत्र वासियों से पूछताछ और आगामी कार्रवाई कर रही है।

अकेला रह गया 14 साल का बेटा

जुन्नारदेव के ग्राम उमरिया फड़ाली में हुए घटनाक्रम में जो बातें सामने आई है उसमें यह भी है कि दंपति का एक 14 साल का बेटा भी है। जो अब माता-पिता की मौत के बाद अकेला रह गया है। बताया जा रहा है कि परिवार पिछले कई दिनों से आर्थिक तंगी से जूझ रहा था और यही आर्थिक तंगी उनके बीच विवाद का कारण बन रही थी। अक्सर विवाद होते थे लेकिन बाद में शांत भी हो जाते थे। इस बार घर की आपसी कलह ने एक संगीन वारदात का रूप ले लिया।

सर्व सम्मति से इंद्रजीत सिंह अध्यक्ष मनोनीत

जिला राजपूत क्षत्रिय महासभा की आयोजित हुई बैठक, महाराणा प्रताप जयंती मनाने बनी रुपरेखा

छिंदवाड़ा। नगर के नरसिंगपुर रोड स्थित राजपूत क्षत्रिय समाज के भवन में समाज की बैठक आयोजित की गई/जिसमें संत सिंह सेंगर द्वारा विधिवत अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया गया/तो वहीं समाज के वरिष्ठों ने समाज को एकजुट रखने नवीन कार्यकारिणी सर्व सम्मति से बनाने का निर्णय लिया गया/जिसके तहत

इंद्रजीत सिंह बैस को सर्व सम्मति से राजपूत क्षत्रिय महासभा का अध्यक्ष मनोनीत किया गया/इस दौरान समाज के वरिष्ठ लाल सिंह चंदेल, संत सिंह सेंगर, अरविन्द प्रताप सिंह,अभय सिंह बैस, राजेश सिंह बैंस, योगेश सिसोसिया, उदय प्रताप सिंह, प्रभात सिंह ,संजय सिंह,जितेंद्र सिंह चौहान, प्रशांत चंदेल, प्रीति बिसेन, श्यामदेवी चंदेल, मंजू बैस ,सरला सिसोदिया सहित अन्य बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद थे/जिनके द्वारा समाज में चुनाव ना होने का आव्हान किया गया/जिसके तहत वरिष्ठ जनो ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद का मनोनय किया गया/इस दौरान सामाजिक भवन शीघ्र बनाने पर चर्चा की गई/जिसमे नवीन अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बैस द्वारा सामाजिक भवन के लिए 1 लाख 51 हजार रुपए देने की घोषणा की गई/साथ ही शीघ्र अति शीघ्र आकर्षक भवन का निर्माण कराने का आश्वासन भी दिया/वही अभय सिंह बैस द्वारा भवन में एक कमरा अपनी ओर से बनाने की घोषणा की गई/बैठक में वरिष्ठ सदस्यों द्वारा दस दिनों के भीतर नवीन कार्यकारिणी का गठन करने की बात कही गई। बैठक में मंच संचालन संदीप सिंह चंदेल द्वारा किया गया। वही आभार प्रर्दशन पूर्व सचिव राजेश सिंह बेस द्वारा किया गया/बैठक में महाराणा प्रताप जंयती मनाने की रुपरेखा बनाई गई। आगामी 7 जून को धूमधाम से महाराणा प्रताप जयंती मनाया जायेगा/इस दौरान नव अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बैस द्वारा आगामी बैठक में कार्यक्रम की कार्ययोजना को अंतिम रूप देने की बात कही गई।

लोहांगी में अवैध भंडारित 32 घनमीटर रेत को किया जप्त

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा दिये गये निर्देशानुसार एसडीएम परासिया श्री पुष्पेंद्र कुमार निगम व खनि अधिकारी श्री रविन्द्र परमार के मार्गदर्शन में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण की रोकथाम के लिये खनिज व राजस्व विभाग के दल द्वारा गत दिवस परासिया तहसील के विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान तहसील परासिया के अंतर्गत ग्राम लोहांगी में खनिज रेत का अवैध भंडारण किया जाना पाया गया। मौके पर खनिज रेत के लगभग 32 घनमीटर (लगभग 11 ट्राली) अवैध भंडारण को मालिकाना हक के अभाव में लावारिस रेत को पंच के समक्ष जप्त कर आगामी आदेश पर्यंत ग्राम कोटवार लोहांगी श्री लक्ष्मण डेहरिया एवं मौका मौजूद निविदा ठेकेदार प्रतिनिधि की संयुक्त सुपुर्दगी में प्रदान किया गया। क्षेत्र में पाए गए खनिज रेत भण्डारण के संबंध में खनिज प्रावधान के अंतर्गत आगामी कार्यवाही के लिये प्रतिवेदन तैयार कर निराकरण के लिये वरिष्ठ स्तर पर प्रेषित किया जाएगा। कार्यवाही के दौरान खनि निरीक्षक श्री विवेकानंद यादव, हल्का पटवारी श्री विमल सूर्यवंशी, ग्राम कोटवार लोहांगी श्री डेहरिया व खनिज अमला साथ में था।

कट्टा नदी में अवैध रेत उत्खनन करते 2 ट्रैक्टर वाहन जप्त

कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन और खनि अधिकारी श्री रविन्द्र परमार के मार्गदर्शन में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण की रोकथाम के लिये खनिज व राजस्व विभाग के दल द्वारा आज जुन्नारदेव तहसील के विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। देर रात किए गए संयुक्त औचक निरीक्षण के दौरान कट्टा नदी में खनिज रेत का अवैध उत्खनन करते पाए जाने पर 2 ट्रैक्टर वाहन को जप्त किया गया। इन वाहनों को आगामी आदेश पर्यंत थाना जुन्नारदेव की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है। अवैध रेत खनन में संलिप्त पाए गए वाहनों पर खनिज प्रावधान के अंतर्गत आगामी कार्यवाही के लिये प्रकरण तैयार कर निराकरण के लिये कलेक्टर न्यायालय के समक्ष प्रेषित किया जायेगा। कार्यवाही के दौरान सहायक खनि अधिकारी सुश्री स्नेहलता ठवरे, टीआई जुन्नारदेव, तहसीलदार व नायब तहसीलदार सम्मिलित थे।

खनिज और राजस्व दल की कार्यवाही में 6510 घनमीटर अवैध रेत जप्त

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर पांढुर्णा श्री अजय देव शर्मा के निर्देशन और खनि अधिकारी श्री रविन्द्र परमार के मार्गदर्शन में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण की रोकथाम के लिये खनिज व राजस्व विभाग के दल द्वारा सौंसर तहसील के विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पिपलाकन्हान में खनिज रेत का लगभग 2010 घनमीटर (लगभग 670 ट्राली) अवैध भंडारण किया जाना पाया गया। साथ ही ग्राम लोहानी में खनिज रेत का लगभग 4500 घनमीटर (लगभग 1500 ट्राली) अवैध भंडारण पाया गया। इन दोनों क्षेत्रों पर रेत का अवैध भण्डारण पाये जाने पर मालिकाना हक के अभाव में अवैध कुल मात्रा 6510 घनमीटर लावारिस रेत को पंच के समक्ष जप्त कर आगामी आदेश पर्यंत ग्राम कोटवार एवं मौका मौजूद निविदा एमडीओ प्रतिनिधि की संयुक्त सुपुर्दगी में प्रदान किया गया है। इस संबंध में खनिज प्रावधान के अंतर्गत आगामी कार्यवाही के लिये प्रतिवेदन तैयार कर निराकरण के लिये वरिष्ठ स्तर पर प्रेषित किया जाएगा। कार्यवाही के दौरान सहायक खनि अधिकारी श्री महेश नगपुरे, ग्राम कोटवार पिपलाकन्हान एवं लोहानी, एमडीओ प्रतिनिधि सम्मिलित थे।

आज की सबसे बड़ी बीमारी मानसिक तनाव है इससे दूर रहेः डॉ. गरिमा मिश्रा

हेल्दी रहने के लिए पौष्टिक आहार, नियम व्याम, सहित सक्रात्मक सोच रहना आवश्यक है

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा संचालित सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम की बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू की क्लास में आई पी एस कॉलेज छिंदवाड़ा में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन के मार्गदर्शन में बौद्धिक सत्र रविवार को आयोजित किया गया जिसमे बाल रोग विशेषज्ञ डाक्टर गरिमा मिश्रा जी ने स्वास्थ संबंधी विशेष टिप्स प्रदान किए गए। इस अवसर पर डाक्टर गरिमा मिश्रा ने कहा की आप सभी अपने स्वास्थ का ध्यान नियमित रखे आपको अपने शरीर को स्वस्थ रखना है तो नियमित व्याम,खान पान के समय का ध्यान,मानसिक तनाव से दूर रहना ,मेंटल हेल्थ से डिप्रेशन जैसे बीमारी इसे दूर करने किसी से बात करना काउंसलिंग करवाना सहित अन्य उपाय है ,गलत लत भी एक प्रकार से रोग है इससे बचना चाहिए।शराब सिगरेट, पाउच तम्बाकू सहित अन्य मादक पदार्थ के सेवन से बचने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन,समाजसेवी अशीष नेमा,परामर्शदाता विनोद तिवारी,श्रीमती लता नागले, श्रीमती तृप्ति सिंह, जय प्रकाश सूर्यवंशी, अशीष साहू सहित सभी बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट उपस्थित थे। अपने बौद्धिक सत्र में डाक्टर गरिमा मिश्रा ने कहा की आप सभी लोग समाजसेवा में स्नातकोत्तर एवम स्नातक की डिग्री कोर्स कर रहे स्टूडेंट समाज सेवा की मिशाल है आप सभी हेल्थ संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी गांव गांव तक पहुंचने में सरकार की एक कड़ी के रूप में होगे। उन्होंने बताया की सेहत संबंधी जानकारी देते हुए बताया की सभी को अपनी सेहत पर नियमित रूप से ध्यान देना चाहिए इतना ही नहीं आज के समय हर उम्र के लोगो को मानसिक ,शारीरिक समस्या होती है इसके लिए पौष्टिक आहार,अच्छे विचार,एवम नियमित रूप से अपने शरीर की जांच करवाते रहना चाहिए। उन्होंने कहा स्वस्थ रहने के लिए हरी सब्जी,ड्रायफ्रूट,फल्लीदाना,सहित पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए जिससे हमारे शरीर में लाभकारी तत्व मिल सके।उन्होंने कहा शुगर ब्लैडप्रेसर, हाइपर टेंशन,में विश्व में हमारा देश वर्ष 2050तक विश्व का केपिटल बन जायेगा।ये चिंता का विषय है।उन्होंने महिलाओं एवम शिशु के रोग से बचने की सलाह भी दी। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन के कहा की हमारी जन अभियान परिषद की रविवार की क्लास सहित फील्ड में ये सभी अपने परामर्शदाताओं के साथ जाते है गांव गांव में ग्रामीणों को आज जो स्वास्थ संबंधी जानकारी प्रदान की गई उन्हे ये बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट एक ग्राम हितेषी के रूप में जन जन को बताएंगे।एवम उन्हे अनेक रोगों से बचने के उपाय बताएंगे।आज जो जानकारी बाल रोग विशेषज्ञ डाक्टर गरिमा मिश्रा जी प्रदान की बहुत ही सरगर्वित है आप सभी एक सच्चे एवम अच्छे समाजसेवी के रूप में ग्राम विकास की अवधारणा से जोड़ेंगे।कार्यक्रम का संचालन परामर्श दाता विनोद तिवारी ने लिया आभार प्रदर्शन श्रीमती लता नागले ने किया।

पर्यावरण संतुलन हेतु अध्यात्मिक प्रयोग ...

देश विदेश के 40 लाख घरों में एक साथ गायत्री परिवार कराएगा यज्ञ,

घर घर पहुंचकर गायत्री परिवार के परिजन यज्ञ करने का दे रहे संदेश

छिंदवाड़ा। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में विश्वशांति व सबके कल्याण की भावना और पर्यावरण में सुधार के लिए विश्व स्तरीय गृहे गृहे गायत्री यज्ञ उपासना महा अभियान 23 मई 2024 दिन गुरवार बुद्ध पूर्णिमा को इस वर्ष भी चलाया जाएगा। जिसमें विधिवत यज्ञ पर्यावरण संरक्षण का यह आध्यात्मिक प्रयोग गृहे गृहे गायत्री यज्ञ उपासना अभियान के जिला प्रभारी अरुण पराड़कर ने बताया की भारत सहित विश्व के 98 देशों के 40 लाख घरों महायज्ञ एक साथ एक समय में संपन्न कराए जायेंगे। एक एक साथ यज्ञ व सामूहिक उपासना का प्रभाव आध्यात्मिक प्रभावशाली होता है संपूर्ण विश्व में शांति के साथ वातावरण में भी इसका व्यापक असर देखने को मिलेगा यह समय परिवर्तन का चल रहा है यज्ञ में भागीदारी कर स्वयं व अपने परिवार और पड़ोसियों की दैहिक ,दैविक, भौतिक सुरक्षा मजबूत करनी चाहिए प्रदेश सहित छिंदवाड़ा के 11 तहसील उपतहसील की प्रमुख शाखाओं के माध्यम से सभी प्रज्ञा मंडल, महिला मंडल, युवा मंडल के माध्यम से 21 हज़ार घरों में यज्ञ करने की योजना तैयार की गई है। वर्तमान परिवेश में यज्ञ का विशेष महत्व इसलिए बढ़ जाता है कि यह शांतिकुंज हरिद्वार के द्वारा परम् वंदनिया माताजी एवं अखण्ड ज्योति की जन्मशताब्दी के प्रयाज के अन्तर्गत,इस महायज्ञ से जुड़ने के लिए गायत्री परिवार की संस्थानो शाखाओं द्वारा प्रयास कार्यक्रम के अंतर्गत अभी से परिजनों को यज्ञ के लिए सूचीबद्ध किया जा रहा है जिन्हें यज्ञ नहीं आता उनको यज्ञ करने का प्रशिक्षण ऑनलाइन ऑफलाइन दिया जा रहा है इसके अलावा व्यवस्था की तैयारी के लिए वेबसाइट पर लिंक यूट्यूब वीडियो ब्रोशर पंपलेट पोस्टर एवं फ्लैग शादी के माध्यम से लोगों को डिजिटल सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है।

निशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जाँच शिविर लगाकर मनाया बच्चे का जन्मदिन

छिंदवाड़ा पत्रकार रवि बेलवंशी,पूजा बेलवंशी ने अपने पुत्र विनायक बेलवंशी के द्वितीय जन्मदिन के शुभ अवसर पर विनायक के दादा ध्यानी प्रसाद बेलवंशी,दादी पुष्पा बेलवंशी,चाचा रविंद्र बेलवंशी के सौजन्य से सत्ता का आयोजन पंडित ऋषिराज महाराज जी चित्रकूट वाले के द्वारा बड़ी धूमधाम से कराया गया !और इसी उपलक्ष में गांव की आंगनबाड़ी केंद्र पर एक विशाल निशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर लगाया गया !जहां पर गांव सहित आसपास के लगभग 200 से ज्यादा मरीजों ने पहुँचकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवाकर निशुल्क दवाइयां प्राप्त कर बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया !

सुखमय जीवन के सूत्र हैं राम:नागेंद ब्रह्मचारी

छिंदवाड़ा। ग्राम सिरकोही हनुमान मंदिर में चल रही भागवत कथा के चौथे दिन सूर्यवंश रघुवंश एवं निमी वंश की कथा बताते हुए महामंडलेश्वर नागेंद्र ब्रह्मचारी जी ने कहा कि श्री राम जी का जीवन मर्यादा एवं सुखमय जीवन जीने की कला सिखलाता है पिता पुत्र भाई भाई एवं पति-पत्नी सुख दुख में कैसे साथ देते हैं यह राम जी के परिवार से सीखने को मिलता है अपने भाई के लिए राम जी ने पूरी अयोध्या का राज छोड़कर संत महात्माओं के लिए एवं धर्म की ध्वजा फहराने के लिए 14 वर्ष का वनवास ,त्याग में जीवन से जीकर राजा को प्रजा की परेशानी दूर करने के लिए अपने सुख को त्याग कर प्रजा सुखी रहे यह बताया राम जी को देखकर सुग्रीव एवं विभीषण दोनों ने अपने स्वार्थ के लिए भाई का त्याग कर दिया था परंतु राम जी ने अपनी सौतेली मां केकयी के वचन को पूरा करने के लिए एक कपड़े में लक्ष्मण एवं सीता के साथ वन में निवास करके वनवासी भक्तों को अपने गले लगा कर छुआछूत की भावना को दूर किया आपस में मनुष्य प्रेम से रहे यह सबसे बड़ा धर्म है उनके जीवन से हमें सीखने को मिलता है भव्य झांकी के साथ राम विवाह एवं श्री कृष्ण जन्म की कथा सुनाई गई प्रतिदिन सुबह 9~00 बजे से 12 ज्योतिर्लिंगों का अभिषेक किया जाता है एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण भाई-बहन कथा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं

रेल यात्री हेल्पलाइन नंबर. 139 का उपयोग करें

छिंदवाड़ा। देश की लाइफलाइन भारतीय रेलवे जिससे हर दिन करोड़ों की संख्या में यात्री यात्रा करके अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचते हैं। यात्रियों की बड़ी संख्या को देखते हुए रेलवे हर समय यात्रियों की सुविधा के लिए नए.नए कदम उठाता रहता है। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए एक हेल्पलाइन नंबर.139 जारी किया है। इस नंबर के जरिए यात्रियों को हर समस्या का समाधान मिलता है ताकि यात्रियों द्वारा की जाने वाली शिकायतों का त्वरित निवारण संभव हो सके। अक्सर लोगों के रेल से जुड़ी कोई भी जानकारी लेने के लिए लंबी.लंबी लाइनों में लगना पड़ता था तथा अलग अलग तरह की सूचनाओं के लिए अलग अलग हेल्प लाइन नंबरों को याद रखना आसान नहीं था। भारतीय रेलवे ने इस समस्या से छुटकारा दिलाने हेतु वर्तमान में उपलब्ध एक हेल्पलाइन नम्बर 139 पर ही सुरक्षा एवं चिकित्सा सहायता, पूछताछ, पीएनआर स्टैटस, ट्रेन के आगमनध्प्रस्थान, टिकट निरस्त करने, वेकअप अलार्म सुविधा/प्रस्थान संबंधी अलर्ट, व्हील चेयर की बुकिंग, साफ-सफाई, खानपान संबंधी शिकायतें, सतर्कता संबंधी शिकायतें दर्ज करा सकते है। भारतीय रेलवे की 139 हेल्पलाइन नंबर आईवीआरएस यानी इंटरेक्टिव वॉयस रिस्पॉन्स सिस्टम परआधारित है। इसमें कई भाषाओं में जानकारी मिल सकती है। हेल्पलाइन नम्बर 139 पर कॉल करने के लिए किसी स्मार्ट फोन की जरूरत नहीं है अतः ऐसे में सभी मोबाइल यूजर के लिए इस नम्बर तक आसान पहुंच रहेगी। इस खास सुविधा के तहत अब कोई भी यात्री बस एक नंबर पर कॉल करके ट्रेन से या भारतीय रेलवे से जुड़ी किसी भी जानकारी के बारे में पता लगा सकता है। 139 हेल्पलाइन नंबर एक है, लेकिन इससे मिलेगी जानकारी अनेक।

समाधि की विधि करुणा और विवेक है : सुमतप्रकाश

वीतराग भवन में समाधि के साथ दी जा रही साधर्मी वात्सल्य की प्रेरणा

छिंदवाड़ा। स्वाध्याय से विवेक का जन्म होगा, हृदय में करुणा होगी और भेद विज्ञान होते ही साधर्मी वात्सल्य तो होगा ही होगा साथ में सच्ची समाधि की तैयारी प्रारंभ हो जावेगी अतः जिन्हे समाधि पूर्वक जीना हो और अंत समय में समाधि मरण करना हो वे आज से ही प्रत्येक आत्मा में परमात्मा बनने की शक्ति को देखे और उन्हें हृदय से लगाएं। यह सुंदर एवं मार्मिक उदगार बाल ब्रह्मचारी सुमतप्रकाशजी जैन ने ने अपने मंगल प्रवचनों में वीतराग भवन में चल रहे समाधि साधना प्रशिक्षण शिविर एवं निर्यापक सम्मेलन में व्यक्त किए,

जिसका लाभ सकल जैन समाज के साथ मुमुक्षु मंडल, अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन सहित पूरे देश से छिंदवाड़ा पधारे ब्रह्मचारी भाई बहनों को प्रतिदिन सुबह - दोपहर एवं रात्रि तीनो समय मिल रहा हैं। वही ब्रह्मचारी चर्चित शास्त्री द्वारा श्रावकाचार के अनुरूप जैनोपैथी के मध्यम से स्वस्थ रहकर जीवन जीने की कला सिखाई जा रही है। ब्रह्मचारी सुमतप्रकाशजी ने कहा कि जो भवितव्य का श्रद्धान नहीं रखते, वह कभी क्षमता नहीं रखते। भवितव्यता द्वादशांग का सार है, भावितव्यता जबरदस्ती नहीं लाई जा सकती, ना ही सिखाई जा सकती है, यह वस्तु का स्वरूप है। जो वस्तु स्वरूप के अनुसार जानता तो है, पर मानता नहीं, वह मिथ्यादृष्टि है। हम विचार करें कि हम किसी को भी दोष नहीं देंगे। हे प्रभु ! मुझे इतनी समर्थ देना कि मैं किसी को भी दोष न दूं, दोषी ना देखूं। सारे स्वाध्याय का सार है कोई बुरा करने में समर्थ नहीं है। पाप के उदय में भी अपना ज्ञान ही सहायक है। यदि रोग या संकट आए तो यह मेरे पुण्य का उदय है। कोई एक शब्द भी मेरे उदय के बिना नहीं बोल सकता। पांच समवाय का निर्णय करने से सम्यकदर्शन होता है, आत्मा के गीत गाने से नहीं। एक भी वाणी और विकल्प का करता कोई नहीं है। पाप के उदय में शांत रहने से सविपाक निर्जरा होती है। जीव संसार सागर में तब तक भ्रमता है अर्थात भटकता है जब तक सविक निर्जरा में वह मस्त रहता है या शिकायत करता है। पुण्य का उदय ऐसा है जैसे कोई व्यक्ति किसी बच्चे को टॉफी देकर किडनैप कर लेता है।

त्वरित टिपण्णी
जी. के. छिब्बर

यह राम का आदर्श है या रावण की अराजकता

राजनीति के रियलिटी शो की पटकथा

सन 1950 से 1960 के दशक में मुंबई फिल्म नगरी में मनोरंजक कॉमेडी फिल्म बना करती थी जिसमे दो फिल्में की स्मृति आज हो गई एक किशोर कुमार की दिल्ली का ठग और दूसरी शम्मी कपूर की हम सब चोर हैं, यह फिल्मे आज जीवन्त रियलिटी शो की तरह देखी जा सकती है।

राम के आदर्श को लेकर स्थापित आम आदमी पार्टी अब रावण की अराजकता पर उतर आई है जो न्यायपालिका और संविधान से उपर है।

सबसे आश्चर्य का विषय तो यह है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री जो केवल चुनाव प्रचार के लिए 21 दिन की अंतरिम जमानत पर हैं 18 मई को अत्याधिक विचलित हो गए जबकि उनके निजी सचिव विभव कुमार उनके की निवास से गिरफ्तार कर लिए गए जैसे की उनकी सोने की लंका ही लूट ली गई हो अरविंद केजरीवाल मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन के जेल में रहने और जमानत न मिलने से विचलित नहीं थे संजय सिंह की गिरफ्तारी से दुखी नहीं थे स्वाति मालीवाल के विद्रोह से प्रभावित तो हुवे परंतु उन्हें आत्मविश्वास था की उनका सबसे विश्वस्त और राजदार निजी सचिव विभव कुमार का कुछ भी नही बिगड़ने देंगे स्वाति मालीवाल के गंभीर यौन उत्पीडन, मारपीट और धमकी के आरोपों पर चार दिन तक चुप्पी साधे रहे जबकि उनके सांसद प्रवक्ता संजय सिंग ने घटना को स्वीकारते हुवे विभव कुमार पर कार्यवाही करने की घोषणा प्रेस कांफ्रेंस में की थी लेकिन अरविंद केजरीवाल विभव कुमार को बचाने में लगे रहे और अपने निवास में छुपा के रखा। शर्मनाक स्थिति तब हो गई जब देखो पुलिस 18 मई को मुखमंत्री निवास में क्राइम सीन की पुनर्रचना कर रही थी तो विभव कुमार दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़ गए अब वो बुरी तरह फंस गए और बचाव में आ गए और चुनाव प्रचार छोड़कर बीजेपी के खिलाफ अराजक आंदोलन पर उतर आए हैं और स्वाति मालीवाल को दोषी ठहरा रहे हैं जो वर्षो से उनकी विश्वस्त सहयोगी रही है।

अरविंद केजरीवाल स्वयं अधिनायक वादी है और कानून तोड़ते है लेकिन सरकार की तानाशाही और सविधान बचाने की बात कर रहे इनकी यह दोगली नीति ने यह खुलासा कर दिया है वे भ्रष्टाचार के दलदल में इतना डूबते जा रहे हैं की अब अराजकता और झूठा विमर्श ही उनका सहारा है केजरीवाल यह भी प्रमाणित कर रहे हैं की राजनीति में आदर्श और ईमानदारी का कोई स्थान नहीं है उनकी यह सोच प्रजातंत्र के लिए शुभ लक्षण नहीं है।

भोपाल की महापौर मालती राय ने अपने जन्म दिन पर पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से आशीर्वाद लिया और उनके साथ स्मार्ट पार्क में पौधारोपण किया।

मौसम: मई के आखिरी में जमकर तपेगा भोपाल

भोपाल। मई के महीने में भोपाल में भीषण गर्मी पड़ने का ट्रेंड है। 10 में से 8 साल टेम्प्रेचर 44 डिग्री के पार पहुंच चुका है। साल 2016 में यह रिकॉर्ड 46.7 डिग्री रहा था। हालांकि, इस बार अब तक गर्मी के तेवर थोड़े नरम रहे हैं, लेकिन रविवार को पारा 43 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। मौसम विभाग ने 20 मई से तेज गर्मी पड़ने का अलर्ट जारी किया है। 25 मई से नौतपा की शुरुआत भी हो रही है। इसके चलते भी गर्मी और लू का असर रहेगा।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से मध्य प्रदेश के साथ भोपाल में भी मई महीने में आंधी, बारिश-ओले का दौर चला। इस वजह से दिन का टेम्प्रेचर ज्यादा नहीं बढ़ा। 7 मई को टेम्प्रेचर 42.4 डिग्री पहुंचा था। इसके बाद 19 मई, रविवार को पारा 43 डिग्री पर आ गया। एक ही दिन में डिग्री की बढ़ोतरी हुई। इस महीने 4 बार पारा 41 डिग्री पार रहा।

10 दिन में टेम्प्रेचर में उतार-चढ़ाव

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 10 दिन में भोपाल में दिन के तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। 10 मई को पारा 41.5 डिग्री दर्ज किया गया था, जबकि 19 मई को यह 43 डिग्री दर्ज किया गया। इधर, रात के तापमान में भी बढ़ोतरी हुई। 13-14 मई की रात में न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री रहा था, जो पिछली 3 रातों से 28.8 डिग्री चल रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अब दिन-रात दोनों ही तापमान में बढ़ोतरी होगी। दिन में लू का असर भी चलेगा। रात में भी गर्म हवाएं चल सकती है।

अगले 4 दिन भोपाल में ऐसा रहेगा मौसम

20 मई को दिन-रात गर्मी का असर देखने को मिलेगा। बादल भी रहेंगे। दिन का टेम्प्रेचर 42 से 43 डिग्री के आसपास रहेगा। 21 मई को दिन के टेम्प्रेचर में 1 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग ने पारा 43 डिग्री तक जा सकता है। 22 मई को दिन में 43 से 44 और रात में पारा 30 से 31 डिग्री तक पहुंच सकता है। 23 मई को गर्मी का असर रहेगा। टेम्प्रेचर 41 से 43 डिग्री तक पहुंच सकता है।

10 साल में 5 बार पारा 45-46 डिग्री के पार रहा

वर्ष 2014 से 2023 तक 10 साल के आंकड़ों पर नजर डाले तो एक बार टेम्प्रेचर रिकॉर्ड 46.7 डिग्री तक पहुंच गया था। वहीं, 4 बार पारा 45 डिग्री या इससे अधिक रहा। सबसे ज्यादा गर्मी वर्ष 2015, 2016, 2017, 2018 और 2022 में पड़ी थी। बाकी सालों में टेम्प्रेचर 45 डिग्री से नीचे ही रहा।

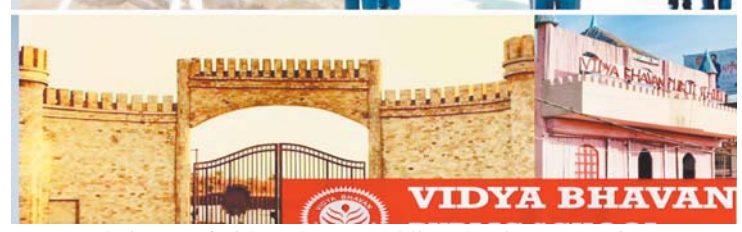

भाजपा नेता ने रेत उत्खनन पर उठाए सवाल, नर्मदा को छलनी करने से नहीं रोक पा रहे कलेक्टर-एसपी और माइनिंग अधिकारी, भेजेंगे चूड़ी

नर्मदापुरम। मां नर्मदा नदी की धार रोककर, नदी में कच्ची सड़क बनाकर हो रहे उत्खनन को लेकर भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक अखिलेश खंडेलवाल ने जिला प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि रेतासुर मां नर्मदा को छलनी कर रहे। लेकिन सीहोर जिले के कलेक्टर, एसपी और खनिज अधिकारी इसे रोक नहीं पा रहे। मप्र में भाजपा की सरकार है बुधनी विस क्षेत्र से पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान विधायक है। बुधनी क्षेत्र में बेखौफ होकर नर्मदा नदी से वैध और अवैध दोनों तरीके से रेतासुर बीच नदी में आकर और पानी में से रेत निकाल रहे। जिले में बैठे अफसर सरकार के बनाए नियमों का पालन नहीं करा पा रहे।

बावजूद प्रशासन और खनिज दोनों इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। भाजपा नेता ने मां नर्मदा को छलनी करने से नहीं रोक पाने पर सीहोर कलेक्टर, एसपी, माइनिंग अधिकारी को चूड़ी भेजने का भी लिखा है। आज 11 बजे सर्किट हॉउस घाट पर पूजन पाठ कर वे पोस्ट करेंगे। रेत माफिया और रेत चोर बड़ी बड़े स्तर पर नर्मदा नदी से रेत का उत्खनन कर रहे है। बुधनी क्षेत्र में पावर मेक कम्पनी के पास रेत खदानों से उत्खनन और परिवहन का ठेका है। कम्पनी द्वारा नर्मदा नदी की खदानों से तो उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा। इसी की आड़ में कुछ रेत माफियाओं द्वारा खदान को छोड़ बीच नदी में पानी से रेत निकाली जा रहीं। नर्मदापुरम शहर में सर्किट हॉउस के सामने ट्रैक्टर-ट्रालियों से रेत निकाल उसका परिवहन हो रहा। बीच में ट्रैक्टर-ट्राली निकालने के लिए कच्ची रेत की सड़क भी बनाई गई है। जहां सुबह से शाम तक सैकड़ों बार ट्रैक्टर पानी में लाकर रेत निकाली जा रहीं। जिससे नदी में कई जगह गड्ढे भी रहे। सिवनी मालवा के चांदगढ़ कुटी घाट पर रेत चोर नर्मदापुरम जिले की सीमा में आकर नाव में रेत भरकर सीहोर जिले की सीमा दूसरे क्षेत्र में ले जा रहे हैं।

As Chairman of Vidya Bhawan Public School, Guna, It gives me immense satisfaction and pleasure that the result of CBSE Class vwth and Class 10th had been 100%. My heartiest congratulations to the students and the teachers. NKTripathi

नर्सिंग घोटाला की जांच कर रहा सीबीआई इंस्पेक्टर 10 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार, 29 तक रिमांड पर

भोपाल। भोपाल में सीबीआई के एक इंस्पेक्टर को सीबीआई ने ही 10 लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि घूस लेते पकड़ाए इंस्पेक्टर राहुल राज पर मध्यप्रदेश के बहुचर्चित नर्सिंग कॉलेज घोटाले की जांच की जिम्मेदारी है। गिरफ्तारी के बाद चारों आरोपियों को भोपाल में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार शर्मा की कोर्ट में पेश किया गया। जहां कोर्ट ने सभी आरोपियों को 29 मई तक पीआर पर भेज दिया है। सीबीआई ने भ्रष्टाचार अधिनियम की धारा 7, 7, 8, 9, 10 और 12 के तहत मामला दर्ज किया है।

रविवार को सीबीआई की एक टीम ने भोपाल में आरोपी इंस्पेक्टर के प्रोफेसर कॉलोनी स्थित घर पर छापा मारा और उन्हें रिश्वत लेते पकड़ा। राहुल राज के घर से तलाशी में 7 लाख 88 हजार रुपए नकद और 100-100 ग्राम के सोने के बिस्किट भी मिले हैं।

सरोजनी नायडू स्कूल में आज 12 का रुकजाना नही मैं फिजिक्स का पेपर

मध्यप्रदेश में होने जा रहे हैं थोकबंद तबादले, केबिनेट में लगेगी मुहर

भोपाल। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते ट्रांसफर के इंतजार में बैठे सरकारी कर्मचारियों की आस जल्द पूरी हो सकती है। माना जा रहा है कि आचार संहिता हटने के बाद डॉ.मोहन यादव की अगुआई वाली मध्यप्रदेश सरकार कैबिनेट बैठक करेगी। इसी में ट्रांसफर पर मुहर लग सकती है।

मध्यप्रदेश सहित देशभर में 16 मार्च को लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू की गई थी। यह 4 जून तक जारी रहेगी। फिर जून के दूसरे हफ्ते यानी 10 से 15 जून के बीच मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में मानसून दस्तक दे देगा। लिहाजा, बारिश के बीच सरकार ट्रांसफर करने से बचती है। इस बार मौसम विभाग ने भी मानसून समय पर आने का पूर्वानुमान जताया है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि 4 जून से 10 जून के बीच सरकार थोकबंद ट्रांसफर की हरीझंडी दे सकती है।

क्या पॉलिसी में होगा बदलाव?

आपको बता दें कि पिछली शिवराज सरकार के समय 15 जून से 30 जून के बीच ट्रांसफर से प्रतिबंध हटाया गया था। शिवराज कैबिनेट ने नई ट्रांसफर पॉलिसी भी जारी की थी। अब देखना दिलचस्प होगा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव पुरानी पॉलिसी में कोई बदलाव करेंगे या फिर पिछली शिवराज सरकार की नीति को ही आगे बढ़ाया जाएगा।

क्या थी पुरानी तबादला नीति

आइए, अब आपको 2023 की ट्रांसफर पॉलिसी बताते हैं। पिछली सरकार की ट्रांसफर पॉलिसी 15 जून से 30 जून तक के लिए लागू की गई थी। इसमें जिले के भीतर प्रभारी मंत्री के अप्रूवल से ट्रांसफर हो सकते थे। वहीं, जिले के बाहर और विभागों में तबादलों पर मुख्यमंत्री की अनुमति की जरूरत होती थी। पिछली तबादला नीति के हिसाब से 201 से 2000 तक के संवर्ग में 10 प्रतिशत से ज्यादा तबादले नहीं हो सकते थे, जबकि किसी भी संवर्ग में 20 प्रतिशत से ज्यादा तबादले नहीं किए जा सकते थे।

एक ही जिले में दोबारा पोस्टिंग नहीं मिलेगी

पिछली तबादला नीति को देखें तो जिले में प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से ट्रांसफर हो सकते थे। इसी के साथ राज्य संवर्ग में विभाग के अध्यक्ष और प्रथम श्रेणी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के तबादले सीएम के अनुमोदन (अप्रूवल) से सामान्य प्रशासन विभाग जारी करता था। हालांकि अभी मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने मंत्रियों को जिलों का प्रभार नहीं दिया है। ऐसे में यह नियम कितना लागू होगा, इस पर कोई स्पष्ट मत नहीं है।

बड़े अधिकारियों के तबादले सीएम की सहमति से

पिछली तबादला नीति के अनुसार, सभी विभागों के स्टेट कैडर के विभागाध्यक्ष और सरकारी उपक्रमों एवं संस्थाओं में पदस्थ प्रथम श्रेणी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (चाहे वे किसी भी पदनाम से जाने जाते हों) के ट्रांसफर आदेश में मुख्यमंत्री की अनुमति जरूरी होती थी। वहीं, राज्य कैडर के बाकी प्रथम श्रेणी अधिकारी, द्वितीय और तृतीय श्रेणी के अधिकारियों-कर्मचारियों के ट्रांसफर (जिले के भीतर किए जाने वाले ट्रांसफर को छोड़कर) मुख्यमंत्री के अनुमोदन के बाद प्रशासकीय विभाग जारी करता था।

उच्च स्तर पर भी होगी प्रशासनिक सर्जरी

दूसरा, लोकसभा चुनाव के बाद प्रशासन और पुलिस महकमें में उच्च स्तर के अधिकारियों के भी थोकबंद तबादले किए जाएंगे। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के पहले भी सरकार ने बड़े पैमाने पर आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के ट्रांसफर किए थे। कई अफसरों को मंत्रालय में बिना विभाग बैठाया गया था तो कई अधिकारियों की जिम्मेदारी में फेरबदल किया गया था।

200 कर्मचारी वाले संवर्ग में 20 प्रतिशत ही तबादले संभव

शिवराज सरकार की नीति के तहत 200 कर्मचारियों की संख्या वाले संवर्ग में 20 फीसदी, 201 से दो हजार की संख्या होने पर 10 प्रतिशत और दो हजार से ज्यादा संख्या होने पर 5 फीसदी तबादले किए जाने का नियम है। स्कूल शिक्षा विभाग में तबादले के लिए ऑनलाइन आवेदन लेने की व्यवस्था की गई थी।

जीवन यात्रा पूर्ण संदेश

सूचित किया जाता है ओशो लाईफ अकेडमी विदिशा की संस्थापक
माँ प्रेम अपूर्वा (श्रीमती मनु बरार)
अपनी यात्रा धरती पर पूर्ण कर परलोक की साधना की ओर प्रस्थान कर गई है।
उनकी अंतिम यात्रा, 20 मई, सोमवार को दोपहर 4.30 में औशो लाइफ़ अकैडमी इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, अहमदपुर रोड विदिशा से प्रारंभ होगी।
-:: परिवारजन ::-
कर्नल A.S. बरार, विम्मी ठाकुर, कमलजीत बरार
अर्जुन बरार, संजीव ठाकुर
-:: हृदय प्रिय ::-
अखिलेश जैन, आदेश जैन, नीलम जैन, ज्योतिंमय जैन
एवं समस्त ओशो लाइफ अकैडमी परिवार